शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 120 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 29 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मैं मोदी सरकार के साथ खड़ी हूं पेज 2
मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन गुवाहाटी उत्तर गुवाहाटी पुल का किया निरीक्षण पेज 3
भाई की हार के बाद किरोड़ीलाल मीणा का फिर छलका दर्द... पेज 5
आईपीएल नियमों के कारण धोनी और ऋषभ की कमाई में आया भारी अंतर पेज 7

आक्रामक प्रचार से अल्पसंख्यक सीटें जीत सकती है भाजपा : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को दावा किया कि लाभार्थी योजनाओं के कारण भाजपा को पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान हर अल्पसंख्यक सीट पर 30,000-40,000 वोट मिले। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी अगर उन जगहों पर आक्रामक तरीके से प्रचार करे तो कई निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल कर सकेगी। यहां एक पुल निर्माण स्थल का दौरा करने के बाद मीडिया से बातचीत में शर्मा ने कहा कि भाजपा अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों से सीटें नहीं जीत पाई है क्योंकि उसने *आक्रामक रूप से* वोट नहीं मांगे हैं। उन्होंने कहा कि हमने उनसे बहुत आक्रामक तरीके से संपर्क नहीं किया और हमें वोट नहीं मिले। अगर हम (अल्पसंख्यक क्षेत्रों में) आक्रामक तरीके से वोट मांगने का फैसला करते हैं, तो मेरा मानना है कि हम बहुत सारे निर्वाचन क्षेत्र जीतने में सक्षम होंगे। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि इस वर्ष के शुरू में हुए लोकसभा चुनाव के विश्लेषण से पता चला है कि भाजपा को प्रत्येक अल्पसंख्यक निर्वाचन क्षेत्र में 30,000-40,000 वोट मिले। उन्होंने कहा कि यहां तक कि जहां 100 प्रतिशत अल्पसंख्यक मतदाता हैं, वहां भी हमें उतनी ही संख्या में वोट मिले, जितने हमें पहले नहीं मिले थे। शर्मा ने इतनी अधिक संख्या में वोट प्राप्त करने का श्रेय लाभार्थी योजनाओं को दिया, जैसे कि *अरुणोदोई,* जो गरीब परिवारों की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए नकद हस्तांतरण योजना है, और *निजुत मोइना* जिसके तहत छात्राओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि अब हम प्रत्येक महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) को 10,000 रुपए देंगे। एसएचजी से करीब 30 लाख महिलाएं जुड़ी हुई हैं, जिनमें सात लाख अल्पसंख्यक महिलाएं शामिल हैं। असम सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं से अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को भी लाभ मिल रहा है। साथ ही, शर्मा ने कहा कि असम में भाजपा या एनडीए सरकार तुष्टिकरण में लिप्त नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इसीलिए लोगों को वीजीआर (ग्राम चरागाह रिजर्व), पीजीआर (पेशेवर चरागाह रिजर्व) से भी बेदखल किया जा रहा है। असम के लोगों को सिलसाको (गुवाहाटी में) से बेदखल किया गया क्योंकि हम एक समान नीति का पालन कर रहे हैं। हमने अतिक्रमण हटाने के लिए काजीरंगा से भी लोगों को बेदखल किया है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सभी लोगों के लिए अस्पताल बनाने, एम्बुलेंस सेवाएं प्रदान करने और योजनाओं को समान रूप से वितरित करने जैसे विकास कार्य जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि हमने इस मामले में किसी की उपेक्षा नहीं की है। यही कारण है कि हमारे पास बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक दोनों क्षेत्रों में लाभार्थियों की संख्या बराबर है। हाल ही में हुए विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने मुस्लिम बहुल सामागुरी सीट छीन ली, जिस पर लगातार पांच बार से कांग्रेस का कब्जा था। असम के मुख्यमंत्री ने पहले भी बार-बार कहा था कि भाजपा को अगले 10 वर्षों तक चार क्षेत्रों (नदी तटीय वनस्पति द्वीप) के *मिया* लोगों के वोटों की आवश्यकता नहीं है, जब तक कि वे बाल विवाह जैसी पुरानी प्रथाओं को त्याग कर खुद में सुधार नहीं लाते। लोकसभा चुनाव से पहले अपने रुख में नरमी लाते हुए शर्मा ने इस वर्ष फरवरी में कहा था कि वह अगले दो वर्षों तक *मियां* वोट नहीं मांगेंगे, क्योंकि उससे पहले बाल विवाह और अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जैसे कई कल्याणकारी कार्य पूरे करने होंगे। मार्च में एक चुनाव प्रचार बैठक के दौरान उन्होंने अपने रुख को और नरम करते हुए विश्वास जताया कि अल्पसंख्यक आबादी के इन वर्गों के उत्थान के लिए किए गए अच्छे कार्यों के कारण मिया समुदाय की लड़कियां, महिलाएं और युवा भाजपा को वोट देंगे। कैबिनेट फेरबदल के बारे में पूछे जाने पर शर्मा ने कहा कि हमें बराक घाटी से एक मंत्री बनाना है। जब हम इस मामले पर विचार करेंगे, तो एक या दो और नाम सामने आ सकते हैं। हालांकि, हमें बराक घाटी से एक मंत्री बनाने की तत्काल आवश्यकता है। सिलचर से लोकसभा सांसद परिमल शुक्लाबैद्य, संसद में चुने जाने से पहले, बराक घाटी से शर्मा के मंत्रिमंडल में एकमात्र मंत्री थे। वे आबकारी, परिवहन और मत्स्य पालन मंत्री थे। शर्मा ने कहा कि एक बार जब मैं दिल्ली आऊंगा, तो तस्वीर साफ हो जाएगी कि कैबिनेट में सिर्फ एक नया चेहरा शामिल किया जाएगा या फेरबदल किया जाना चाहिए। असम के स्थानीय नेताओं का मानना है कि हमें एक मंत्री को शामिल करके मामले को खत्म कर देना चाहिए और -शेष पृष्ठ दो पर

2026 तक शिक्षक, ग्रेड फोर की नौकरी में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देगी सरकार : सीएम

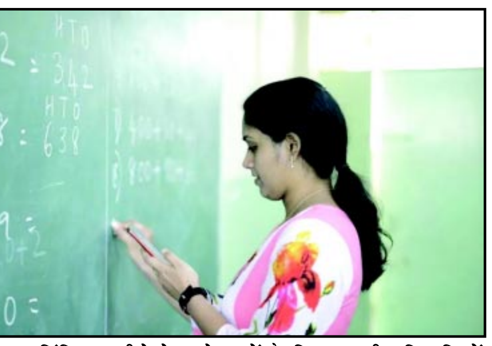

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आश्वासन दिया है कि स्कूलों में शिक्षकों और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की नियुक्ति के संबंध में नई नीतियां विधानसभा चुनावों के बाद 2026 तक लागू की जाएंगी। स्थानीय रोजगार के मुद्दे पर बोलते हुए शर्मा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पारंपरिक भर्ती पद्धतियां अक्सर स्थानीय उम्मीदवारों को नुकसान में डाल देती हैं। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को गुवाहाटी में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं, लेकिन स्थानीय लोग उन्हें देने में बहुत रुचि नहीं दिखाते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए, हमने एक ऐसी प्रणाली तैयार की है, जिसके तहत स्कूल के प्रिंसिपल सीधे ग्रेड फोर पदों के लिए स्थानीय निवासियों को नियुक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि नीति स्कूलों, अस्पतालों और अन्य संस्थानों तक विस्तारित होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ग्रेड फोर -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय-असम सीमा वार्ता का दूसरा चरण जल्द शुरू होगा : सीएम

शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. सांग्मा ने आश्वासन दिया है कि असम के साथ सीमा वार्ता का दूसरा चरण शीघ्र ही पुनः शुरू होगा, जिससे अनसुलझे सीमा मुद्दों के समाधान में हो रही देरी समाप्त हो जाएगी। इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए सांग्मा ने देरी के लिए चुनाव, उपचुनाव और अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं को जिम्मेदार ठहराया। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि असम के अपने समकक्ष के साथ परामर्श के -शेष पृष्ठ दो पर

दुनिया में झलक रही भारतीय संस्कृति : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी विदेश यात्राओं की कुछ खास तस्वीरों का वीडियो शेयर किया। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि मैं जहां भी जाता हूं, मुझे अपने देश के इतिहास और संस्कृति के प्रति अपार उत्साह देखने को मिलता है। इस उत्साह को देखना बहुत सुखद लगता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसके आगे यह भी लिखा कि विदेश यात्राओं के दौरान दिखाई देने वाले भारतीय परंपरा और संस्कृति के रंग किसी का भी मन मोह लेने वाले हैं। ऐसा नजारा देखना बेहद गर्व की बात है। भारतीयता पूरी -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अविनीत व्यक्ति को स्नेही होने पर भी मंत्रणा में नहीं रखना चाहिए।

- **आचार्य चाणक्य**

चौथी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन

रांची (हि.स.)। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार शाम 4.11 बजे हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। हेमंत सोरेन ने राज्य के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। यह उनका मुख्यमंत्री के रूप में यह चौथा कार्यकाल होगा। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर मोरहाबादी मैदान पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। नगर के मोहराबादी मैदान पर आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल संतोष गंगवार के मंच पर पहुंचने के बाद राष्ट्रगान हुआ। इसके बाद राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मंच पर हेमंत सोरेन के पिता शिबू -शेष पृष्ठ दो पर

असम-मेघालय सीमा विवाद

उपद्रवियों का वशिष्ठ में घर जलाने और साइनबोर्ड लगाने के बाद तनाव बढ़ा

गुवाहाटी। मेघालय के बदमाशों द्वारा असम के अंदर एक घर में घुसने और उसे तोड़ने की ताजा घटनाओं ने कामरूप (मेट्रो) जिले में अंतर-राज्यीय सीमा क्षेत्रों में तनाव पैदा कर दिया है। बदमाशों के एक समूह ने कथित तौर पर बसिस्था के पास पटोरकुची इलाके में एक असमिया परिवार के घर को तोड़ दिया। फर्नीचर, पानी की व्यवस्था आदि को तोड़ दिया गया। बदमाशों ने एक साइनबोर्ड भी लगाया था जिस पर लिखा था मैखुली गांव की संपत्ति/अतिक्रमण निषिद्ध/ उल्लंघन करने वालों को मैखुली गांव दरबार प्राधिकरण द्वारा सताया जाएगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि उस दिन मेघालय की तरफ से दर्जनों लोग, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं, असम में घुस आए थे। पीड़ित हेमंत बर्मा ने डीसीपी ईस्ट को एक पत्र लिखकर घटना का विवरण दिया। शिकायतकर्ता ने कहा कि फिलहाल हम बेघर हैं और हमारी जान को खतरा है। मैंने पुलिस चौकी को सूचित किया है, जो घर से 200 मीटर की दूरी पर मेघालय में है, लेकिन संबंधित पुलिस कर्मियों -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

प्रियंका ने लोस सदस्य के रूप में शपथ ली

नई दिल्ली (हि.स.)। केरल के वायनाड संसदीय क्षेत्र से उपचुनाव जीतीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज लोकसभा सदस्य के तौर पर शपथ ग्रहण की। शपथ लेने के बाद प्रियंका गांधी को राहुल गांधी ने गले लगाया। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते प्रियंका गांधी और नांदेड़ से चुनकर आए रवींद्र चव्हाण ने शपथ ली।

पीएम को नुकसान पहुंचाने की धमकी एक हिरासत में

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धमकी देने के मामले में एक महिला को हिरासत में लिया गया है। धमकी मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम में मिली। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि मानसिक रूप से बीमार 34 वर्षीय एक महिला को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उस पर कथित तौर पर प्रधानमंत्री मोदी को नुकसान पहुंचाने की धमकी देने का आरोप है। अधिकारी ने बताया कि शहर के पुलिस नियंत्रण कक्ष को बुधवार -शेष पृष्ठ दो पर

अडानी और संभल मुद्दे पर संसद में गतिरोध बरकरार

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र चौथे दिन में प्रवेश कर गया और गुरुवार को लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही फिर से शुरू हुई। हालांकि, स्थितियां पहले की ही तरह रही। विपक्ष का हंगामा जारी रहा। विपक्ष के हंगामे के बीच संसद शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। बार-बार हंगामे के कारण चौथे दिन भी काम नहीं हो पाया। संसद के शुरुआती दिन काफी हद तक अनुत्पादक रहे क्योंकि विपक्ष के हंगामे के कारण दोनों सदनों को स्थगित कर दिया गया। वहीं, खबर है कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर -शेष पृष्ठ दो पर

कोलकाता में हिंदू संगठन की रैली में हंगामा, पुलिसकर्मी घायल

कोलकाता (हि.स.)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ते अत्याचार और हालिया की घटनाओं के विरोध में गुरुवार को *बंगीय हिंदू जागरण मंच* ने कोलकाता स्थित बांग्लादेश उप उच्चायोग तक रैली निकाली। इस रैली के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई, जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। कोलकाता पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए कई स्थानों पर बैरिकेड लगाए थे। रैली बेकबागान इलाके में पहुंचते ही प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया, जिससे पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इस झड़प में एक पुलिसकर्मी के सिर पर चोट आई। इसके बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पांच प्रतिनिधियों को बांग्लादेश उप उच्चायोग में प्रवेश की अनुमति दी। प्रतिनिधिमंडल ने बांग्लादेश उप उच्चायोग में एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें हाल ही में बांग्लादेश में गिरफ्तार किए गए चिन्मय -शेष पृष्ठ दो पर

एलईटी के मोस्ट वांटेड आतंकी को रवांडा से लाया गया भारत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बेंगलुरू जेल आतंकी साजिश मामले में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े भगोड़े सलमान रहमान खान को रवांडा से भारत लाने में सफलता पाई। एनआईए ने यह ऑपरेशन रवांडा जांच ब्यूरो (आरआईबी), इंटरपोल और राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो (एनसीबी) के सहयोग से अंजाम दिया। सलमान को 27 नवंबर 2024 को रवांडा की राजधानी किगाली में गिरफ्तार किया गया था। इंटरपोल के रेड नोटिस और -शेष पृष्ठ दो पर

जमात की धमकियों के बीच इस्कॉन ने चिन्मय दास से किया किनारा

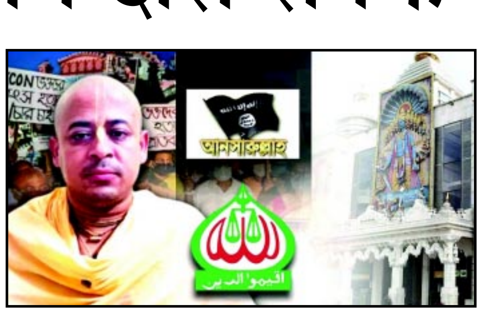

ढाका। इस्कॉन बांग्लादेश ने हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास से किनारा कर लिया है। इस्कॉन बांग्लादेश के महासचिव चारू चंद्र दास ने कहा है कि चिन्मय प्रभु के किसी भी बयान या गतिविधियों के लिए संस्थान जिम्मेदार नहीं है। ढाका में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए दास ने बताया कि चिन्मय प्रभु को हाल ही में इस्कॉन से निकाल दिया गया था। दरअसल बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी को लेकर बवाल बढ़ता जा रहा है। बांग्लादेश सम्मिलित सनातन जागरण जोत के प्रवक्ता चिन्मय दास पर अक्तूबर के अंतिम सप्ताह में हुई एक रैली के दौरान बांग्लादेश के राष्ट्रीय झंडे का अपमान -शेष पृष्ठ दो पर

इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने वाली याचिका को एचसी ने किया खारिज

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के बाद चटगांव में हुई हिंसा में -शेष पृष्ठ दो पर

रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा प्रतिष्ठानों को बनाया निशाना, 10 लाख से ज्यादा घरों की बिजली गुल

मॉस्को। रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते हुए गुरुवार को 200 से ज्यादा मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। इन हमलों के कारण देश भर में 10 लाख से ज्यादा आबादी बिजली से वंचित है। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दो सप्ताह से भी कम समय में यूक्रेन के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर रूस के दूसरे बड़े हवाई हमले से यह आशंका बढ़ गई है कि रूस का इरादा सर्दी से पहले यूक्रेन की ऊर्जा उत्पादन क्षमता को तहस-नहस करना है। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री हर्मन हालुशेंको ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि पूरे यूक्रेन में ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में बिजली आपूर्ति बंद की जा रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में, कलस्टर हथियारों से लैस कलिब्र क्रूज मिसाइलों ने नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया। कलस्टर हथियार एक बड़े क्षेत्र में कई छोटे बम छोड़ते हैं, जिससे वे हमले के दौरान और उसके बाद नागरिकों के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बांग्लादेशी हिंदुओं के मामले मे ममता का रिएक्शन, कहा-

मैं मोदी सरकार के साथ खड़ी हूं

कोलकाता। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि मैं बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न के मुद्दे पर केंद्र सरकार के साथ हूं। ममता ने कहा कि मेरी सरकार की नीति है कि जब दूसरे देशों की बात आएगी तो हम केंद्र सरकार के साथ खड़े रहेंगे। अगर किसी भी धर्म के लोगों पर अत्याचार होता है तो हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। अगर बांग्लादेश में किसी भी धर्म के लोगों पर अत्याचार होता है तो हम इसका समर्थन नहीं करते हैं। बांग्लादेश में हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रम्हचारी की गिरफ्तारी पर ममता ने कहा कि मैंने यहां इस्कॉन के प्रमुख से बात की है। चूंकि यह दूसरे देश का मामला है, इसलिए केंद्र सरकार को इस पर उचित कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम इस मुद्दे पर केंद्र सरकार के साथ हैं। बांग्लादेश पुलिस ने हिंदू समूह *सम्मिलित सनातनी जोत* के नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा क्षेत्र से सोमवार को गिरफ्तार किया था। इसके खिलाफ बंगाल सहित देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इससे पहले बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी और वरिष्ठ नेता सौगत रॉय ने हमलों की निंदा करते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि बांग्लादेश में जो कुछ हुआ है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। केंद्र सरकार को निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने हिंसा की निंदा करते हुए बांग्लादेश की अंतरिम

सरकार को *कट्टरपंथियों के चंगुल में* बताया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से हस्तक्षेप करने का आग्रह करते हुए कहा कि हिंदुओं पर हमले और धार्मिक नेताओं की गिरफ्तारी अमानवीय और अस्वीकार्य है। उन्होंने विपक्षी नेताओं की इस मुद्दे को नजरअंदाज करने के लिए आलोचना की और सांप्रदायिक हिंसा से निपटने में दोहरे मानदंड अपनाने का आरोप लगाया। सोमवार को बांग्लादेश पुलिस ने ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास इस्कॉन के भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को गिरफ्तार किया। इस घटना और अल्पसंख्यकों के खिलाफ चल रही हिंसा ने तनाव को बढ़ा दिया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने चिन्मय दास को जमानत न दिए जाने पर चिंता व्यक्त की और बांग्लादेश से अपने अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि हम इस मामले में सरकार द्वारा अपनाए गए सही रुख के साथ खड़े हैं।

ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के गोलकगंज से ड्रग्स के साथ एक तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर गोलकगंज के विसनदौ बाघमारा बाजार में चलाए गए एक अभियान के दौरान अजीमुल हक नामक एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया। जबकि, सनी नामक अन्य एक तस्कर मौके से फरार होने में सफल रहा। गिरफ्तार आरोपी के पास से पुलिस ने प्लास्टिक के दो छोटे-छोटे कंटेनर में भरकर रखे गए दो कंटेनर ब्राउन शुगर, एक बाइक (एएस-19पी-0214) जब्त किया। गिरफ्तार आरोपी हालाकूड़ा विद्याबाड़ी पंचम खंड का रहने वाला बताया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI

Apollo HOSPITALS

CARDIOLOGIST

DR. REFAI SHOWKATH ALI MRCP(UK), FRCP(Lon),CCT in Cardio(UK),FACC(USA),FESC(Europe)

Will be available only for consultation at **Guwahati**

ON 1st December'2024

Patients Suffering from High BP/ cholesterol, coronary heart diseases & valve problem. Requiring bypass sugrgery (CABG), valve / aortic aneurysm / LV aneurysm / lung surgery, adult congenital deseases like holes in heart (ASD, VSD etc) related problems can register their names at:

APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

डकैतों ने घर में घुसकर की लूटपाट

कछार (हिंस)। कछार जिले के उधारबंद खासपुर इलाके में एक व्यापारी के घर और दुकान में डकैतों द्वारा डकैती किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि 6 -7 हथियारबंद डकैत रामधन गोपाल नामक व्यापारी के घर में प्रवेश कर घर में मौजूद लोगों के साथ मारपीट की। डकैत घर के सभी सदस्य को रस्सी से बांधकर अलमारी में रखे नगद एक लाख रुपए समेत लाखों रुपए के सोना चांदी के गहने लूट कर फरार हो गए। डकैतों द्वारा रामधन गोपाल के दुकान में भी नगद धन की लूटपाट की गई। घटना के संबंध में रामधन द्वारा स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

दिल्ली के प्रशांत विहार इलाके में विस्फोट, एक घायल

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली के रोहिणी में प्रशांत विहार में पीवीआर मल्टीप्लेक्स के पास आज दोपहर एक विस्फोट हुआ, जिसमें एक व्यक्ति मामूली रूप से घायल हो गया। हालांकि, यह कम तीव्रता वाला विस्फोट था। यह विस्फोट भी उसी इलाके में एक पार्क के निकट एक दुकान के सामने हुआ, जहां पिछले महीने विस्फोट हुआ था, जिससे केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) स्कूल की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई थी। दिल्ली पुलिस के अनुसार आज पूर्वाह्न करीब 11.47 बजे प्रशांत विहार इलाके में एक मिठाई की दुकान के सामने विस्फोट की सूचना मिली। उस वक्त वहां पर मौजूद चेतन कुशवाह (28) नामक व्यक्ति मामूली रूप से घायल हो गया। वह थ्रीव्हीलर चालक है और विस्फोट के समय वहां मौजूद था। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। बम डिटेक्शन टीम, डॉग स्क्वॉड, पुलिस, एनएसजी कमांडो और दिल्ली दमकल विभाग की टीम के मौके पर पहुंचने के तुरंत बाद पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई। मौके से सफेद पाउडर बरामद किया गया है। विस्फोट के बारे में अधिक जानकारी का पता लगाने के लिए जांच जारी है। दिल्ली पुलिस के जनसंपर्क अधिकारी, एडिशनल सीपी संजय कुमार त्यागी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एक व्यक्ति को मामूली चोटें आई हैं।

रानीगंज फायरिंग मामले में दो युवक गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। बिलासीपाड़ा के पास रानीगंज बाजार में हुई गोलीबारी के सिलसिले में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है।यह दोनों मंगलवार की रात एक बैंक ग्राहक सेवा केंद्र पर तीन लोगों को गोली मारकर फरार हो गए थे। धुबड़ी जिले के पुलिस अधीक्षक नवीन सिंह ने गुरुवार को बताया कि गोलीबारी के सिलसिले में बेलतली निवासी नूर इस्लाम और चापर के शालकोचर निवासी अख्तार उर्फ अब्बास को पकड़ा गया है। सिंह ने बताया कि दोनों युवकों से एक मैगजीन बरामद की गई है।

No.BDB/Tender/46/2023-24/3393 *Date 27/11/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER.

Sealed tender affixing a non-refundable Court fee stamp of Rs.8.25(Rupees eight & twenty five paisa) only with a validity period of 180 days which will subsequently to be converted and drawn up in the printed of F-2 form are invited from the registered contractors of Class-I (A, B & C), Class-II & Class III category of Assam PWD (Roads & Building) and BTC according to their eligibility for submitting tenders for the works under Library Services Dept. SOPD fund as per BTR during the financial year 2024-25 as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 2.00PM on 21/12/24 and will be opened on the next date (as on 23/12/24) & place at 2.30 PM.

Sl. No.	Name of activity	Estd. Value (in Lakhs)	Tender Value (in Lakhs)	EMD/Bid Security (in Rs.)	Cost of Tender paper (in Rs.)	Pre-bid date and Time	Last date & time of bid submission	Date & Time of bid opening	Time of completion of Work
1	"Const. of Village Library at 1 No. Amguri (Sikaribangla) near Sikaribangla unit ABSU office,under Library Services Department as per SOPD fund during the financial year 2024-25".	12.50L	12.50L	(for 12,500 S/T,S/C) 25,000/- (for OBC/ General)	380	30/11/24	21/12/24	23/12/24	6 month

Detail N.I.T. may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized agents from 30/11/24 to 23/12/24 up to 1.30 PM. In the office of the undersigned on payment in the form of demand draft/bankers cheque from any Nationalized Bank, duly pledged in favour of the Principal Secretary, BTC Kokrajhar payable at Kokrajhar.

Sd/-
Block Development Officer,
Bhergaon Dev. Block, Bhergaon

IPR(BTC)/C/2024-25/965

पृष्ठ एक का शेष

आक्रामक प्रचार से ...

चुनावी साल में अफवाहों पर रोक लगा देनी चाहिए। ब्रह्मपुत्र पर गुवाहाटी-उत्तरी गुवाहाटी पुल के बारे में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि काम अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है और सरकार की योजना जुलाई 2025 के बाद इसे लोगों को समर्पित करने की है। उन्होंने कहा कि ट्रकों और वाणिज्यिक बसों को छोड़कर सभी श्रेणी के वाहनों के लिए पुल का उपयोग निःशुल्क होगा। ब्रह्मपुत्र पर 2,608 करोड़ रुपए की लागत से छह लेन वाले सड़क पुल का निर्माण कार्य मार्च 2020 में शुरू हुआ था। इस परियोजना के चार साल के भीतर पूरा होने का अनुमान है। गुवाहाटी में इस पुल की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2019 में रखी थी। शर्मा ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अगले साल फरवरी में अपने प्रस्तावित दौरे के दौरान राज्य की राजधानी के चारों ओर एक रिंग रोड और ब्रह्मपुत्र पर नारेंगी को कुरुवा से जोड़ने वाले एक अन्य पुल की आधारशिला रख सकते हैं।

2026 तक शिक्षक...

के पद स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित हों। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य स्थानीय रोजगार को प्राथमिकता देना है, जबकि ऐसे पदों के लिए भर्ती का विकेंद्रीकरण करना है। यह घोषणा शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू के बुधवार के बयान के बाद की गई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि स्कूलों में ग्रेड फोर के पदों को आउटसोर्स किया जाएगा, जिसमें स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस बीच, सरकारी नीतियों से प्रभावित शिक्षकों ने न्याय की मांग तेज कर दी है। सदोउ एक्सोम प्रादेशिकृतो शिक्षानुस्थानोर पोरा बंचितो शिक्षक कर्मचारी संथा ने 2013 और 2021 में प्रांतीयकरण से वंचित लगभग 5,800 शिक्षकों की दुर्दशा की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए गुरुवार को एक प्रेस वार्ता आयोजित की। शिक्षकों ने कहा कि असम शिक्षा (शिक्षकों की सेवाओं का प्रांतीयकरण और शैक्षिक संस्थानों का पुनर्गठन) अधिनियम, 2017 के कारण कई स्कूल बंद हो गए हैं या उनका विलय हो गया है, जिससे कई शिक्षक बेरोजगार हो गए हैं। नाम न बताने की शर्त पर एक शिक्षक ने कहा कि हम सरकारी मान्यता प्राप्त शिक्षक हैं, लेकिन 2017 के अधिनियम ने स्कूलों को बंद कर दिया है या उनका विलय कर दिया है, जिससे हमारी आजीविका छिन गई है। शिक्षकों ने सरकार के कार्यों की निंदा की है तथा आरोप लगाया है कि सरकार ने दशकों की सेवा के बाद उन्हें छोड़ दिया है। एक अन्य शिक्षक ने दुख जताते हुए कहा कि हमने 25-30 साल शिक्षण के लिए समर्पित किए हैं, लेकिन अब, जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जा रही है, सरकार ने हमें त्याग दिया है। इससे पहले, संथा ने 5 सितंबर को मुख्यमंत्री को अपनी शिकायतों का ब्यौरा देते हुए एक ज्ञापन सौंपा था। शिक्षकों ने चेतावनी दी है कि अगर 10 दिनों के भीतर उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे। एक शिक्षक ने कहा कि हम चुपचाप पीड़ित रहने के बजाय जेल में रहना पसंद करेंगे।

मेघालय-असम सीमा ...

बाद चर्चा निर्धारित की जाएगी। सीमा वार्ता में मतभेद के छह संवेदनशील क्षेत्रों पर विचार किया जाएगा, जिनमें लांगपीह, बोरदुआर, देशदूमरेह, ब्लॉक 1-2, प्सियार-खंडुली और नोंगवाह-मौतमूर शामिल हैं। इससे पहले, मेघालय सरकार द्वारा अपनी तीन क्षेत्रीय समितियों को रिपोर्ट प्रस्तुत करने की समय सीमा 31 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिए जाने के बाद वार्ता को रोक दिया गया था।

दुनिया में झलक रही ...

दुनिया में नजर आती है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर अपनी विदेश यात्राओं का जो वीडियो शेयर किया है, उसमें हाल की विदेश यात्राओं में उनके भव्य स्वागत में की गई परफॉर्मेंस का कोलाज बनाया गया था। कोलाज में पूरे उत्साह से लोगों को ऑस्ट्रिया में वंदे मातरम गाते हुए, पोलैंड और मॉस्को में गरबा करते हुए, कजान (रूस) में ढोलिदा नृत्य, भूटान में डांडिया रास, सिंगापुर में भरतनाट्यम वहीं लाओस और ब्राजील में रामायण और अन्य ऐसे कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए दिखाया गया है जिसका संबंध भारत से है। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि भारतीय इतिहास और संस्कृति के प्रति वैश्विक उत्साह हम सबके लिए अत्यंत गर्व की बात है। उन्होंने लिखा कि पिछले सालों के दौरान मैं दुनिया के किसी भी कोने में गया, अपने देश की संस्कृति के प्रति लोगों का अपार प्यार देखना काफी अच्छा लगा। पीएम ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें भूटान के कलाकारों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी का उल्लेख करते हुए एक लोकगीत भी शामिल है।

चौथी बार झारखंड...

सोरेन एवं मां रूपी सोरेन मौजूद रहीं। पिता के ठीक बगल में हेमंत सोरेन तो उनकी मां के बगल में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मौजूद बैठी थी। मंच पर हेमंत सोरेने के बगल में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी बैठे। गांधी के ठीक बगल में हेमंत सोरेन की पत्नी व विधायक कल्पना सोरेन मौजूद रहीं। इसके अलावा अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, अरविंद केजरीवाल समेत इंडी गठबंधन के राष्ट्रीय व प्रदेश स्तरीय तमाम नेता मौजूद रहे। यह मंच इंडी गठबंधन की एकजुटता का एहसास करा रहा था। उल्लेखनीय है कि झारखंड विधानसभा चुनाव में इंडी गठबंधन को ऐतिहासिक जीत मिली है। जेएमएम, कांग्रेस, आरजेडी और भाकपा-माले को 81 में से 56 सीटों पर जीत मिली। इसमें जेएमएम को 34, कांग्रेस को 16, आरजेडी को 4 और भाकपा-माले को 2 सीटें मिली हैं। इस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 24 सीट मिली हैं। इस बार के विधानसभा के चुनाव में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की यह बड़ी जीत है। जेएमएम का यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। हेमंत सोरेन के झारखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही राजनीतिक इतिहास में उनके नाम कई रिकॉर्ड दर्ज हो गए। वह राज्य के 24 वर्षों के अब तक के इतिहास में चार बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले पहले राजनेता बन गए। इसके पहले उनके पिता शिबू सोरेन और भारतीय जनता पार्टी के अर्जुन मुंडा तीन-तीन बार मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ चुके हैं। हेमंत सोरेन ने पहली बार 13 जुलाई 2013 को झामुमो, कांग्रेस, राजद गठबंधन के सहयोग से बनी सरकार में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इस सरकार का कार्यकाल 23 दिसम्बर 2014 तक था। दूसरी बार उन्होंने 29 दिसम्बर 2019 को शपथ ली थी। 31 जनवरी 2024 को ईडी की गिरफ्तारी के बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। जमानत पर बाहर आने के बाद 4 जुलाई 2024 को उन्होंने तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। हेमंत सोरेन का नाम झारखंड के ऐसे पहले मुख्यमंत्री के तौर पर दर्ज हो रहा है, जिन्होंने लगातार दूसरी बार सरकार में वापसी की है। बरहेट सीट से लगातार तीसरी बार जीते हैं हेमंत सोरेन ने विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गमलियल हेम्ब्रम को 39,791 मतों के अंतर से हराकर बरहेट सीट पर जीत दर्ज की। इससे पहले सोरेन दो बार इसी सीट से विधानसभा का चुनाव जीत चुके हैं।

उपद्रवियों का वशिष्ठ ...

ने मामले में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। बर्मन ने कहा कि उन्हें बदमाशों से धमकियां मिल रही हैं। कल, क्षेत्र के नौ परिवारों ने कामरूप (मेट्रो) के डिप्टी कमिश्नर से संपर्क किया, जिसमें क्षेत्र में बदमाशों द्वारा लगाए गए साइनबोर्ड पर चिंता व्यक्त की गई। अपनी भूमि के दस्तावेज विवरण प्रस्तुत करते हुए, परिवारों ने आरोप लगाया कि बदमाश असमिया निवासियों की भूमि पर अतिक्रमण करने और उसे हड़पने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने डीसी को बताया कि उन्होंने हमें क्षेत्र में प्रवेश न करने की धमकी दी है। फिलहाल हम असहाय हैं और हमारी जान को खतरा है। इस बीच, मेघालय की ओर से लोगों का एक समूह आज फिर से इस क्षेत्र में आया और साइनबोर्ड हटा दिया, लेकिन एक और साइनबोर्ड लगा दिया, जिस पर लिखा था कि अनधिकार प्रवेश निषिद्ध है, उल्लंघन करने वालों पर मुकदमा चलाया जाएगा। जिला अधिकारियों ने घटनाओं को स्वीकार किया और कहा कि सर्कल अधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने आज क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि यह मुद्दा आगे न बढ़े। उम्मीद है कि कामरूप (मेट्रो) डीसी अगले सप्ताह अपने मेघालय समकक्ष के साथ चर्चा करेंगे। खानापाड़ा-पिलिंगकाटा क्षेत्र असम और मेघालय के बीच बारह *विवादित क्षेत्रों* में से एक था। दोनों राज्यों ने 2022 में इनमें से छह हिस्सों में मतभेदों को सुलझाने के लिए एक समझौता किया था। खानापाड़ा-पिलिंगकाटा में, यह सहमति हुई थी कि असम 1.79 वर्ग किलोमीटर और मेघालय को कुल विवादित क्षेत्र का 0.50 वर्ग किलोमीटर हिस्सा मिलेगा।

अडानी और संभल...

बांग्लादेश की स्थिति पर लोकसभा और राज्यसभा दोनों में कल बयान दे सकते हैं। केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुईं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने गुरुवार को निचले सदन की सदस्यता की शपथ ली। शपथ के बाद उन्होंने कहा कि जनता के जरूरी मुद्दों को उठाना, देश और पार्टी के लिए काम करना ही उनकी प्राथमिकता रहेगी तथा वह संविधान के उसूलों के लिए लड़ाई लड़ेंगी। प्रियंका ने हिंदी में शपथ ली और इस दौरान उन्होंने संविधान की एक प्रति अपने हाथ में ले रखी थी। महाराष्ट्र के नांदेड़ से लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए कांग्रेस नेता रवींद्र बसंतराव चव्हाण ने भी सदन की सदस्यता की शपथ ली। लोकसभा में गुरुवार को कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) समेत विपक्षी दलों के सदस्यों ने अदाणी समूह से जुड़े मामले तथा उत्तर प्रदेश के संभल में हिंसा के मुद्दे को लेकर हंगामा किया, जिस वजह से सदन की बैठक एक बार के स्थगन के बाद शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच ही, सदन ने वक्फ (संशोधन) विधेयक संबंधी संसद की संयुक्त समिति का प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय बजट सत्र, 2025 के आखिरी दिन तक बढ़ाने को मंजूरी दी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में हंगामे को लेकर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में सभी ने मिलकर फैसला किया था कि कौन सा विधेयक आएगा और कब आएगा...जो बाकी मुद्दे हैं उन पर चर्चा का अलग अलग नियम बना हुआ है। अदाणी समूह के खिलाफ आरोपों पर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग को लेकर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के हंगामे के कारण गुरुवार को राज्यसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। सुबह सदन की कार्यवाही आरंभ होते ही सभापति जगदीप धनखड़ ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए और फिर बताया कि उन्हें अदाणी मुद्दे, मणिपुर के हालात और संभल हिंसा पर चर्चा के लिए नियम 267 के तहत कुल 16 नोटिस मिले हैं। उन्होंने सभी नोटिस अस्वीकार कर दिए। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को कहा कि संसदीय अवरोध कोई समाधान नहीं है, बल्कि यह एक रोग है जो देश की नींव को कमजोर करता है और संसद को अप्रासंगिकता की ओर ले जाता है। धनखड़ ने यह टिप्पणी उस वक्त की जब एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे राज्यसभा की कार्यवाही दोबारा आरंभ हुई।

कोलकाता में हिंदू ...

कृष्ण दास की बिना शर्त रिहाई की मांग की गई। साथ ही उन्होंने बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। रैली के आयोजकों का कहना है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से भी इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की। गुरुवार की रैली के बाद प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे इस मुद्दे पर अपनी आवाज उठाते रहेंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को विधानसभा में बांग्लादेश की स्थिति पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर कोलकाता स्थित इस्कॉन के प्रतिनिधियों से दो बार बात कर चुकी हैं, लेकिन यह दो देशों के बीच का मामला है। केंद्र सरकार जो भी फैसला करेगी, वह उसी के साथ रहेंगी। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में हाल ही में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले की घटनाएं बढ़ी हैं। इसके विरोध में चिन्मय कृष्ण दास के नेतृत्व में कई रैलियां आयोजित की गईं। हालांकि, उन पर देशद्रोह का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। इसी बीच बांग्लादेश की अदालत ने इस्कॉन को प्रतिबंधित करने की याचिका खारिज कर दी है।

एलईटी के मोस्ट ...

बेंगलुरु की विशेष अदालत द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) के आधार पर उसे हिरासत में लिया गया। आज सुबह सलमान को भारत लाया गया। एनआईए ने इस पर बयान देते हुए कहा कि सलमान का प्रत्यर्पण आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग की बड़ी उपलब्धि है। सलमान के खिलाफ मामला 2023 में एनआईए ने बेंगलुरु सिटी पुलिस से जांच अपने हाथ में लेने के बाद दर्ज किया था। सलमान पर आरोप है कि उसने आतंकी गतिविधियों के लिए विस्फोटकों की व्यवस्था और आतंकवादी नेटवर्क को समर्थन दिया। एनआईए की जांच में पता चला कि सलमान को बेंगलुरु जेल में कैद आतंकी टी. नसीर ने कट्टरपंथी बनाया था। नसीर पर जेल के भीतर आतंकी भर्ती अभियान चलाने और लश्कर के लिए बड़े साजिशों की योजना बनाने का आरोप है। सलमान 2020 के बाद एनआईए द्वारा प्रत्यर्पित और निर्वासित किए गए 17वें भगोड़े हैं। एनआईए ने इससे पहले भी यूएई, ऑस्ट्रिया और फिलीपींस से खालिस्तानी आतंकियों को भारत लाने में सफलता पाई है। हाल ही में बलजीत सिंह को यूएई से प्रत्यर्पित किया गया था, जबकि खालिस्तान टाइगर फोर्स के कई अन्य आतंकियों को भी भारत लाया गया है। सलमान पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), शस्त्र अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामले दर्ज हैं। एनआईए ने कहा कि वह आतंकवाद और अपराधों से जुड़े भगोड़ों को दुनिया के किसी भी कोने से पकड़कर न्याय के कटघरे में लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जमात की धमकियों ...

करने का आरोप है। चिन्मय दास की गिरफ्तारी और जमानत न मिलने पर उनके समर्थकों में मंगलवार को कोर्ट के बाहर हिंसक विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें एक सरकारी वकील की जान चली गई। इस घटना के बाद बांग्लादेश का कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी इस्कॉन के खिलाफ कार्रवाई का दबाव बनाने के लिए एक्टिव हो गया। हालांकि गुरुवार को बांग्लादेश की हाईकोर्ट ने इस्कॉन पर बैन लगाने से इनकार कर दिया लेकिन बावजूद इसके यह संगठन बांग्लादेश में चरमपंथियों के निशाने पर है। सूत्रों के अनुसार बांग्लादेश में एबीटी यानी अंसारल्लाह बंगला टीम हिंदुओं को टारगेट कर रहा है। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार की बेदखली के बाद बनी अंतरिम सरकार में एबीटी आतंकी संगठन एक बार फिर सक्रिय हो गया है। दरअसल नई सरकार के आते ही एबीटी चीफ मुफ्ती जशीमुद्दीन रहमानी को जेल से रिहा कर दिया गया था, रहमानी 15 फरवरी 2013 को एक बांग्लादेशी ब्लॉगर की हत्या के आरोप में जेल में बंद था। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, जेल से बाहर आने के बाद रहमानी ने फिर से संगठन को मजबूत किया और हिंदुओं को टारगेट करना शुरू कर दिया। सूत्रों के अनुसार, बांग्लादेशी हिंदू और गैर बांग्लादेशी हिंदू दोनों ही एबीटी आतंकी संगठन और जमात-ए-इस्लामी के टारगेट पर हैं। शेख हसीना सरकार ने एबीटी पर शिकंजा कसा था। सूत्रों के अनुसार अवामी लीग की सरकार गिरने के बाद छात्र आंदोलन की आड़ में हुई हिंसा के दौरान एबीटी और जमात-ए-इस्लामी ने ही बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों और मंदिरों को टारगेट किया था। अंसारल्लाह बंगला टीम, एक ऐसा आतंकी संगठन है जो आईएसआईएस की तर्ज पर इस्लामिक स्टेट में विश्वास रखता है। यह भारत में भी नॉर्थ-ईस्ट के रास्ते घुसपैठ की साजिश करता रहा है। साल 2023 में असम में एबीटी के कई टेरर मॉड्यूल का खुलासा हुआ, साथ ही इसके कई आतंकी पकड़े गए। जानकारी के मुताबिक, इस आतंकी संगठन को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का पूरा समर्थन प्राप्त है।

इस्कॉन पर प्रतिबंध ...

एक वकील की हत्या से उपजे हालात पर आज हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की याचिका को खारिज करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि सरकार निश्चित रूप से इस पर गौर करेगी। यह याचिका वकील मोनिरुज्जमां ने बुधवार को दायर की। इसमें इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए चटगांव और रंगपुर में आपातकालीन उपाय लागू करने की मांग की गई। हाई कोर्ट ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अटॉर्नी जनरल को तलब किया। आज सुनवाई के दौरान वकील मोनिरुज्जमां ने कहा कि अब समय आ गया है कि इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाया जाए। इस पर हाई कोर्ट ने जवाब दिया कि सरकार निश्चित रूप से इस पर गौर करेगी। इससे पहले अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल बैरिस्टर अनीक आर हक और डिप्टी अटॉर्नी जनरल मोहम्मद असदउद्दीन ने हाई कोर्ट के जस्टिस फराह महबूब और जस्टिस देबाशीष रॉय चौधरी की पीठ को सरकार के रुख से अवगत कराया। हाई कोर्ट को बताया गया कि राज्य ने इस्कॉन के एक पूर्व नेता की गिरफ्तारी के बाद चटगांव में एक वकील की हत्या पर केंद्रित अशांति या अराजकता पैदा करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। यह मामला सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता पर है। घटना के संबंध में तीन मामले दर्ज किए गए हैं और 33 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस मुद्दे से उत्पन्न किसी भी अशांति को रोकने के लिए काम कर रही हैं। इसके बाद अटॉर्नी जनरल एमडी असदुज्जमान ने कहा कि कुछ पार्टियां कई तरह से देश को अस्थिर करने का प्रयास कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देते हुए हाल के मुद्दों के संबंध में राजनीतिक दलों के साथ चर्चा शुरू की है। हाई कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि किसी को भी कानून व्यवस्था खराब करने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए।

रूस ने यूक्रेन के ...

खतरनाक हो जाते हैं। यूक्रेन के अधिकारियों ने हाल में कहा था कि रूस ठंड के मौसम से पहले ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाने के लिए क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों का भंडार जमा कर रहा है। रूस के साथ लगभग तीन साल से जारी युद्ध के दौरान यूक्रेन का करीब आधा ऊर्जा बुनियादी ढांचा नष्ट हो गया है, और बिजली की आपूर्ति में लगातार कटौती आम बात है। यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों ने वायु रक्षा प्रणालियों और पुनर्निर्माण के लिए धन के साथ यूक्रेन को बिजली उत्पादन की रक्षा करने में मदद करने की मांग की है। कीव, खारकीव, रिव्ने, खमेलनित्सकी, लुत्स्क समेत मध्य और पश्चिमी यूक्रेन के कई शहरों में धमाके होने की जानकारी मिली है। जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से वादा किए गए वायु रक्षा हथियारों की आपूर्ति में तेजी लाने का आग्रह किया। अतीत में यूक्रेनी अधिकारियों ने शिकायत की है कि सैन्य सहायता आने में देरी हो रही है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया *टेलीग्राम* पर कहा कि इस तरह के प्रत्येक हमले से यह साबित होता है कि यूक्रेन में अब वायु रक्षा प्रणालियों की आवश्यकता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि रूस ने ठंड के मौसम में यूक्रेनी बुनियादी ढांचे और लोगों को नुकसान पहुंचाने के लिए ताबड़तोड़ हमले किए हैं।

पीएम को नुकसान...

को धमकी भरा कॉल आया। कॉल का पता पश्चिमी उपनगरों के अंबोली से लगाया गया और उसके बाद मामला दर्ज किया गया। इसके बाद मुंबई पुलिस की एक टीम ने महिला कॉलर का पता लगाया और उसे पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि जांच के बाद महिला मानसिक रूप से अस्थिर पाई गई और कॉल को *शरारत* के तौर पर पाया गया। अधिकारी ने बताया कि महिला का कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। उन्होंने बताया कि आगे की जांच जारी है।

मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन गुवाहाटी उत्तर गुवाहाटी पुल का किया निरीक्षण

जुलाई 2025 के बाद लोगों को समर्पित किया जाएगा पुल : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को ब्रह्मपुत्र पर निर्माणाधीन गुवाहाटी-उत्तर गुवाहाटी पुल के निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पुल का निर्माण अच्छी तरह से चल रहा है। सरकार की योजना जुलाई 2025 के बाद इसे लोगों को समर्पित करने की है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने जहाज पर सवार होकर पुल की पूरी लंबाई का निरीक्षण किया और इसके निर्माण का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डॉ. शर्मा ने निर्माण कंपनी के इंजीनियरों और पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों के साथ निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर भी बात की। उन्होंने कहा कि यातायात के लिए खुलने के बाद पुल ब्रह्मपुत्र के उत्तर और दक्षिण तट के बीच संपर्क में नया आयाम जोड़ेगा। मुख्यमंत्री के साथ राज्य के मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा, विशेष

सचिव पीडब्ल्यूडी (आर) चंदन सरमा, गुवाहाटी शहर के पुलिस आयुक्त दिगंत बोरा और अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारी निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के साथ थे।

विद्यार्थी परिषद का 30वां राज्यिक सत्र 27, 28 और 29 दिसंबर को

गुवाहाटी (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के असम प्रदेश का 30वां राज्यिक सत्र 27, 28 और 29 दिसंबर को उत्तर लखीमपुर शहर के मणिकंचन समन्वय मैदान में आयोजित किया जाएगा। इसमें पूरे असम के हजारों प्रतिनिधियों की भागीदारी होगी। इसकी जानकारी गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में दी गई। संवाददाता सम्मेलन में बताया कि परिषद का 70वां राष्ट्रीय अधिवेशन उत्तर प्रदेश के गोरखपुर शहर में संपन्न हुआ। 22 नवंबर को शुरू हुए तीन दिवसीय सत्र में विभिन्न भाषण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ प्रदर्शनियां भी देखी गईं। 22 नवंबर को ध्वजारोहण के बाद पुनर्निर्वाचित अध्यक्ष राजचरण शाही और नवनिर्वाचित महामंत्री डॉ. बीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कार्यभार संभाला। सत्र के उद्घाटन समारोह में विशेष रूप से प्रख्यात उद्यमी पद्मश्री श्रीधर बेम्बू ने भाग लिया। सत्र से पहले आयोजित कार्यकारिणी की बैठक में हाल ही में मणिपुर की स्थिति के संबंध में एक प्रस्ताव पारित किया गया। विभिन्न शैक्षणिक एवं सामाजिक मुद्दों को शामिल करते हुए नेशनल असेंबली में चार प्रस्ताव पारित किए गए। इसके अलावा परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति ने मणिपुर में हुई हिंसा

को लेकर एक प्रस्ताव पारित कर सरकार से इस संबंध में उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया। विद्यार्थी परिषद का राष्ट्रीय अधिवेशन भारत के विभिन्न हिस्सों से आए पदाधिकारियों का मिलन स्थल बन गया, क्योंकि पूरे भारत के प्रतिनिधि यहां एकसाथ बैठे। सत्र के अंतिम दिन प्रोफेसर जसवंत राव केलकर युवा पुरस्कार प्रदान किया गया। इस वर्ष यह पुरस्कार दीपेश नायक को दिया गया, जो विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कार प्रदान किए।

रोड रोलर चोरी मामले में नौ गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की फटासिल आमबाड़ी पुलिस ने रोड रोलर चोरी मामले में नौ चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि फाटाशील आमबाड़ी थाना की डब्ल्यूजीपीडी टीम ने बीरूबारी तिनिआली इलाके से रोड रोलर की चोरी की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए नौ वांछित चोरों के एक शातिर गिरोह का भंडाफोड़ किया। गिरफ्तार चोरों की पहचान अमीनगांव के पुजारी यादव, अमीनगांव के मोहम्मद जब्बार अली, सोनापुर के देवकी नंदन दयामा, पटाचारकुची के भगवान तालुकदार, हाजो के मु. अंसार अली, कलाईगांव के प्रबीन डेका, दरंग के जीतू बरुवा, बिहार के वैशाली के छोटू कुमार और बाईहाटा चाराली के मोहम्मद समसुल अली के रूप में की गई है। गिरफ्तार सभी चोरों पर तीन रोड रोलर चोरी किए जाने का आरोप है। पहला भरलूमुख, दूसरा बीरूबाड़ी और तीसरा बी बरुवा कैंसर अस्पताल के पास से। गिरफ्तार चोरों ने तीनों रोड रोलर चुराया था। गिरोह ने 21 अक्तूबर को गायब होने से पहले रोड रोलर को एलपी ट्रक पर लोड करने के लिए 2 हाइड्रा का इस्तेमाल किया था। गिरफ्तार सभी आरोपी इससे पहले भी कई चोरी के मामले में शामिल बताए गए है। गिरफ्तार चोर चोरी किए गए वाहनों को काटकर लोहे की फैक्ट्री में बेचा करता था। पुलिस ने बताया कि मेघालय के बर्नीहाट इलाके में स्थित सत्यम मेगा डंपिंग में गिरफ्तार गिरोह के सदस्यों ने दो रोड रोलर को काटकर बेच दिया। जिसे अन्य लोहे की फैक्ट्री में बेचा गया। चोरों के पास से एक रोड रोलर बराबद किया गया है। पुलिस इस संबंध में दर्ज प्राथमिकी आधार पर मामले की जांच कर रही है।

सनटोली में विधायक नंदिता दास ने किया भू-कटाव वाले क्षेत्रों का दौरा

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र से विधायक नंदिता दास ने कल सोनताली में ब्रह्मपुत्र के कटाव क्षेत्र का दौरा किया और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की ओर से चल रहे कटाव रोकथाम कार्य की प्रगति का जायजा लिया। नवगठित सामरिया निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा एडीबी द्वारा लगभग 2.6 किमी की लंबाई में ब्रह्मपुत्र के कटाव को रोकने के लिए सोनताली में लोटारिया एनसी, पानीखैती में काम चल रहा है। बोको निर्वाचन क्षेत्र की विधायक नंदिता दास उक्त रोकथाम कार्य की प्रगति का जायजा लेने के लिए आज पहुंचीं। एसडीओ गौतम बरकाकती, ए.ई. उल्लेखनीय है कि इसके बाद विधायक नंदिता दास ने सोनताली चौक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर स्वास्थ्य केंद्र की विभिन्न समस्याओं का जायजा लिया। उन्होंने सरकार और स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों से जल्द से जल्द मुद्दों को हल करने की मांग की।

डिमाकुची बकरी पालन में अपार संभावनाएं : प्रमोद बोड़ो

बीटीसी के सीईएम ने आजीविका वृद्धि के लिए सहकारी मॉडल का किया समर्थन

उदालगुड़ी (हिंस)। उदालगुड़ी जिले के डिमाकुची में किए गए एक व्यवहार्यता अध्ययन में यह खुलासा हुआ है कि इस क्षेत्र में स्थायी बकरी पालन के लिए आशाजनक संभावनाएं हैं। बीटीसी के सीएचडी कोऑपरेशन, जयंत खेरकतारी के मार्गदर्शन में और बीटीआर डेवलपमेंट फेलोशिप प्रोग्राम के फेलो की सहायता से यह अध्ययन पारंपरिक घरेलू प्रथाओं से बकरी पालन को एक संरचित, सहकारी-आधारित उद्यम में बदलने का लक्ष्य रखता है। पायलट प्रोजेक्ट का फोकस शेखर एसएस लिमिटेड पर था। ताकि बकरी पालन को एक स्थायी आजीविका विकल्प के रूप में जांचा जा सके। यह लगभग 3,700 शेयरधारकों की एक सहकारी समिति है। अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि इस क्षेत्र की जलवायु और प्राकृतिक संसाधन ब्लैक बंगाल और बीटल जैसी नस्लों के लिए आदर्श हैं। ब्लैक बंगाल की स्थानीय बाजारों में अत्यधिक मांग में है। जबकि, बीटल

नस्ल निर्यात के लिए उत्कृष्ट संभावना दिखाती है। हरे-भरे चारे की उपलब्धता और एक अच्छी तरह सुसज्जित पशु चिकित्सालय डिमाकुची में सफल बकरी पालन की संभावनाओं को और मजबूत कर सकता है। अध्ययन से पता चला है कि यदि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया गया, तो यह पहल बकरी पालन को एक संपन्न और आर्थिक रूप से व्यवहार्य क्षेत्र में बदल सकती है, जिससे इस क्षेत्र के कई घरों को सीधे लाभ होगा। अध्ययन में प्रस्तावित सहकारी मॉडल एक स्केलेबल ढांचा बनाने की आवश्यकता दिखी, जो समावेशिता और दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करता है। यह अध्ययन डिमाकुची में बकरी पालन को एक प्रमुख आजीविका स्रोत के रूप में विकसित करने का खाका पेश करता है, जिससे ग्रामीण विकास और बीटीआर में आर्थिक आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त होगा। यह पहल बीटीसी के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोड़ो की इस दृष्टि के साथ मेल खाती है कि प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग किया जाए और बीटीआर में सतत विकास के लिए सहकारी आंदोलन को बढ़ावा दिया जाए। ऐसे प्रोजेक्टों के व्यापक उद्देश्य पर बात करते हुए सीईएम बोड़ो ने इस बात पर जोर दिया है कि ऐसी आजीविका के अवसर पैदा किए जाएं जो ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाए और क्षेत्रीय आर्थिक प्रगति में योगदान दें।

कोयला से लदा ट्रक दुर्घटनाग्रस्त

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के मार्घेरिटा नगर इलाके में कोयला से लदा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से एक घर सहित तीन वाहनों को नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि कोयला से लदा ट्रक (एएस-01क्यूसी-9817) दुर्घटनाग्रस्त हो जाने की वजह से कोल इंडिया लिमिटेड के एक अधिकारी के घर के अलावा तीन वाहनों को नुकसान पहुंचा है। घटना के समय कोयला से लदा ट्रक लिड़ू से मार्घेरिटा होते हुए तिनसुकिया की ओर जा रहा था। इसी दौरान ट्रक अनियंत्रित होकर मार्गेरिटा के राम ठाकुर मंदिर के समीप पलट गया। ट्रक पलट जाने की वजह से एक स्कूटी, दो कार के अलावा कॉल इंडिया लिमिटेड के आधिकारी के बंगले को काफी नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल ट्रक चालक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

आग में घर जलकर राख लाखों का नुकसान

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। कार्बी आंग्लांग जिले के बोकाजान महकमा अंतर्गत खटखटी के गौतमबस्ती इलाके में लगी आग से देखते ही देखते एक घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बीती रात खटखटी थाना इलाके के गौतमबस्ती में आग लगने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और अग्निशमन टीम ने कई घंटे की मशककत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक घर के अलावा एक बोलेरो पिकअप पूरी तरह जलकर राख हो गया था। आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। आग की वजह से लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। आग पर समय रहते काबू पा लिया गया अन्यथा कई घर चपेट में आ सकते थे। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

बीटीआर सचिवालय में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। परिवहन मंत्री केशव महंत ने कोकराझाड़ जिले में व्यापक मलेरिया के प्रकोप पर चर्चा करने के लिए आज शाम कोकराझाड़ में बीटीआर सचिवालय बैठक कक्ष में बीटीआर प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और एनएसएम के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। पूर्वी कोकराझाड़ के विधायक लॉरेंस इस्लारी, बोड़ोलैंड क्षेत्रीय स्वायत्त परिषद के कार्यकारी सदस्य (स्वास्थ्य) अरूप कुमार डे, बीटीआर के प्रमुख सचिव आकाश द्वीप, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के आयुक्त सचिव डॉ. पी. अशोक बाबू और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन असम के संचालन निदेशक डॉ. एस. लक्ष्मण, 1999। बैठक में कार्यकारी निदेशक डॉ. मनोज चौधरी और कोकराझाड़ के आयुक्त मचांदा एम. पार्टिन ने भाग लिया। बैठक में कोकराझाड़ और चिरांग जिलों में मलेरिया के प्रकोप के केंद्र लुंगचुंग सहित सरलपारा, उल्टापानी और कोकराझाड़ जिले के अन्य क्षेत्रों में मलेरिया के प्रकोप पर नियंत्रण पर चर्चा की गई। बैठक में भय को दूर करने के लिए प्रशासन के सहयोग से स्वास्थ्य विभाग द्वारा उठाए जाने वाले तत्काल उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। स्वास्थ्य विभाग मलेरिया चक्र को बाधित करने के लिए अभिकेंद्र लुंगसुंग सहित जिले के मलेरिया प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्रों में कल से घर-घर परीक्षण करेगा और मवेशी

रोधी दवा डेल्टा मेथ्रिन के मिश्रण का छिड़काव करेगा। बैठक में बड़े पैमाने पर फॉगिंग अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसी तरह, प्रभावित क्षेत्रों में परिवारों के बीच तुरंत मवेशी कुंडल और तकिए वितरित करने और भूकंप के केंद्र लुंगचुंग क्षेत्र के बाहर और बाहर से लोगों की अनावश्यक आवाजाही को कुछ दिनों के लिए प्रतिबंधित करने की वकालत की गई। बैठक में बीटीआर के प्रधान सचिव और स्वास्थ्य आयुक्त सचिव को कल से लुंगसुंग में एक डॉक्टर के नेतृत्व में एक विशेष टीम तैनात करने का भी निर्देश दिया गया। उन्होंने बीटीआर के प्रधान सचिव और कोकराझाड़ जिला आयुक्त को मलेरिया फैलने वाले क्षेत्रों और संवेदनशील क्षेत्रों में जन जागरूकता अभियान चलाने के साथ-साथ काचू गांव, कारीगांव, सरलपारा और उल्टापानी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर मलेरिया परीक्षण करने का भी निर्देश दिया। बैठक में कोकराझाड़ मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसरों, डॉक्टरों और छात्रों की एक टीम द्वारा प्रभावित क्षेत्रों के साथ-साथ लुंगसुंग को भी सेवाएं प्रदान करने का निर्णय लिया गया। समीक्षा में बीटीआर सचिव, अतिरिक्त जिला आयुक्त, प्रिंसिपल, कोकराझाड़ मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक, जिला मलेरिया अधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला योजना प्रबंधक और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

कलगछिया में गर्भवती नाबालिग लड़की ने की आत्महत्या

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले के कलगछिया थानाक्षेत्र के टापाजुली गांव में तीन महीने की एक गर्भवती नाबालिग लड़की ने आत्महत्या कर ली। फंदे से लटककर आत्महत्या करने वाली महिला की पहचान टापाजुली गांव के अजहर अली के बेटे जाहिदुल इस्लाम की पत्नी अनवरा खातून के रूप में हुई है। पुलिस ने गुरुवार को कहा कि यह पता नहीं चल पाया है कि तीन महीने की गर्भवती महिला ने आत्महत्या क्यों की, लेकिन मृतक के मायके वालों ने आरोप लगाया कि मृतक महिला की सास और ननद उसके साथ अक्सर मारपीट किया करती थीं। मृतक के पति ने नाबालिग महिला का दो बार गर्भपात भी कराया। बाल विवाह पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा सरकार की सख्ती के बावजूद यह बाल विवाह कैसे हुआ, इस बारे में जागरूक लोगों के बीच काफी चर्चाएं हो रही है। स्थानीय समाज के लोगों ने मांग की है कि बाल विवाह में शामिल काजियों तथा दोनों पक्षों के माता-पिता आदि के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

उल्टापानी वन रेंज ने 31 अवैध अतिक्रमणकारियों को लिया हिरासत में

कोकराझाड़ (विभास)। उल्टापानी वन रेंज ने कोकराझाड़ पुलिस के साथ मिलकर सिखनाझाड़ राष्ट्रीय उद्यान में वनों की कटाई के खिलाफ अभियान के दौरान चिरांग, बंगाईगांव, शोणितपुर, उदालगुड़ी और गुवाहाटी से 131 लोगों को हिरासत में लिया। सिखनाझाड़ राष्ट्रीय उद्यान में सवारी संख्या 6, 7 और 8 पर अवैध अतिक्रमण से पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। सूत्रों से पता चला है कि असम के विभिन्न जिलों के 500 से अधिक लोग पिछले एक सप्ताह में पार्क में अवैध वनों की कटाई में शामिल रहे हैं, जिससे पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचा है। जयंत कुमार ब्रह्म डीएफओ हल्टूगांव डिवीजन ने बताया कि अवैध अतिक्रमणकारियों से पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचा है।

कोकराझाड़ : मलेरिया से अब तक सात लोगों की मौत और कई इलाजरत

स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत ने प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा

कोकराझाड़ (विभास)। असम के स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत ने आज कोकराझाड़ जिले में भारत-भूटान सीमा के पास स्थित लुंग सुंग के मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने चिरांग जिले का भी दौरा किया, दोनों ही जिले मलेरिया के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि से जूझ रहे हैं। कोकराझाड़ जिले में इस साल मलेरिया के मामलों में तेज उछाल देखा गया है। पिछले एक सप्ताह में ही इस बीमारी के कारण 4 साल की बच्ची समेत सात लोगों की मौत हो गई। जिले में 2023 में मलेरिया के 256 मामले दर्ज किए गए थे, लेकिन 25 नवंबर, 2024 तक यह संख्या बढ़कर 2,096 हो गई है। इसके अलावा, लुंग सुंग क्षेत्र में आज मलेरिया के 46 नए मामले सामने आए। अपने दौरे के दौरान मंत्री महंत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि दवाइयों समेत सभी जरूरी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं। स्थिति से निपटने के लिए गुवाहाटी से मलेरिया विशेषज्ञ डॉक्टर पहले ही कोकराझाड़ पहुंच चुके हैं। मंत्री ने यह भी बताया कि कुछ बुनियादी ढांचे के विकास की जरूरत है, लेकिन इस पर काम चल रहा है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि अगले 15 दिनों में स्वास्थ्य टीम मलेरिया के प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए अथक प्रयास करेगी।

बारात लेकर जा रही कार दुर्घटनाग्रस्त छह घायल

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया में बारातियों को ले जा रही एक कार के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से छह लोग घायल हो गए। घायलों में दो की हालत काफी गंभीर बताई गई है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बीती रात रंगिया में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 27 के बरलीया नदी पर बने पुल पर बारातियों को ले जा रही तेज रफ्तार कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार में सवार छह बाराती घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए रंगिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सड़क दुर्घटना में लड़के के पिता जोगेन दास और वाहन चालक की हालत काफी गंभीर बताई गई है। बरपेटा जिले के सरभोग से कुशल दास बारात लेकर बोको जा रहा था। इसी दौरान यहां हादसा हुआ। दूल्हा कुशल दास अन्य वाहन में था। पुलिस इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

कोकराझाड़ : कामतापुर राज्य की मांग को लेकर अखिल कोच-राजवंशी छात्र संगठन ने किया विरोध-प्रदर्शन

कोकराझाड़ (विभास)। अखिल कोच-राजवंशी छात्र संगठन (आक्रासू) ने गुरुवार को कोकराझाड़ के महात्मा गांधी पार्क में तीन घंटे तक विरोध-प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में कोच राजवंशी समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल करने और अलग कामतापुर राज्य के गठन की मांग की गई। कोकराझाड़ जिले के कोच राजवंशी छात्र संगठन (आक्रासू) के नेतृत्व में सैकारों की संख्या में सदस्यों ने विरोध स्थल पर एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लिए हुए थे और भाजपा सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे। इससे माहौल गरमा गया। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा नीत राज्य और केंद्र सरकार दोनों पर कोच राजवंशी समुदाय को एसटी मान्यता न देकर धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने एसटी दर्जे की अपनी लंबे समय से चली आ रही मांग पर कार्रवाई न होने पर निराशा व्यक्त की और चेतावनी दी कि यदि सरकार विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पहले कोई कदम नहीं उठाती है, तो समुदाय पूरे राज्य

में अपना आंदोलन तेज कर देगा। विरोध प्रदर्शन में बोलते हुए, आक्रासू के केंद्रीय अध्यक्ष खितेश राय ने जोर देकर कहा कि समुदाय की एसटी दर्जे की मांग एक उचित दावा है, जिसे बहुत लंबे समय से टाला जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि यदि सरकार कोई पहल करने में विफल रहती है, तो हम पूरे राज्य में जोरदार आंदोलन शुरू करेंगे। विरोध प्रदर्शन के अलावा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें उनसे कोच राजवंशी समुदाय की मांगों पर विचार करने का आग्रह किया गया।

संपादकीय

शाश्वत तनाव कब तक?

आखिर संभल कब तक जलेंगे, उबलेंगे और शाश्वत हिंसक तनाव का आधार बनते रहेंगे? उप्र के संभल के स्थान पर किसी और जिले का नाम लिया जा सकता है। हम अयोध्या विवाद को देख चुके हैं। कई अनाम मौतें भी हुईं। संतोष है कि प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का एक हिस्सा बन चुका है। अनुमान है कि मार्च, 2025 तक मंदिर-निर्माण सम्पन्न हो जाएगा। अयोध्या के बाद मथुरा और काशी के सांप्रदायिक विवाद अदालतों में हैं। एक चिरस्थायी आरोप है अथवा पुरातात्विक साक्ष्य हैं कि हिंदू मंदिर तोड़ कर मस्जिदें बनाई गईं। ऐसी करीब 1800 मौजूदा मस्जिदें हैं, जो हिंदू मंदिरों पर बनाई गईं। यह अधिकृत डाटा है, अलबत्ता मुसलमान आशंका जताते रहे हैं कि उनकी हजारों मस्जिदों के वजूद खतरे में हैं। मुस्लिम सांसद ओवैसी ऐसा ही बयान देते रहे हैं। हमारा बुनियादी सवाल यह है कि क्या इन 1800 मस्जिदों के भी सर्वे कराए जाएंगे? जांच या वैज्ञानिक परीक्षण कराए जाते रहेंगे? यदि सर्वे किए जाएंगे, तो जाहिर है कि एक निश्चित भीड़ उसका विरोध करेगी। उस भीड़ के हाथों में लाठी-डंडे, हॉकियां, रिवॉल्वर या पिस्तौल और पत्थर भी होंगे। ज्यादातर स्थानों पर हिंदू-मुसलमान सांप्रदायिक तनाव ही फैलते हैं। अलबत्ता संभल की तरह भीड़ पुलिस को भी निशाना बना सकती है। पुलिसकर्मियों पर घातक हमले किए जा सकते हैं। तनाव दंगों के हालात में बदलने लगता है। मस्जिद के पैरोकार आरोप लगाते रहे हैं कि उपासना स्थल कानून, 1991 का लगातार उल्लंघन किया जा रहा है, जबकि 2022 में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने फैसला सुनाया था और उपासना स्थल कानून की धाराओं की व्याख्या भी की थी कि सर्वे, जांच या वैज्ञानिक परीक्षण से पूजा-स्थल का चरित्र नहीं बदलता।

अयोध्या के बाद मथुरा और काशी के सांप्रदायिक विवाद अदालतों में हैं। एक चिरस्थायी आरोप है अथवा पुरातात्विक साक्ष्य हैं कि हिंदू मंदिर तोड़ कर मस्जिदें बनाई गईं। ऐसी करीब 1800 मौजूदा मस्जिदें हैं, जो हिंदू मंदिरों पर बनाई गईं। यह अधिकृत डाटा है, अलबत्ता मुसलमान आशंका जताते रहे हैं कि उनकी हजारों मस्जिदों के वजूद खतरे में हैं। मुस्लिम सांसद ओवैसी ऐसा ही बयान देते रहे हैं। हमारा बुनियादी सवाल यह है कि क्या इन 1800 मस्जिदों के भी सर्वे कराए जाएंगे? जांच या वैज्ञानिक परीक्षण कराए जाते रहेंगे? यदि सर्वे किए जाएंगे, तो जाहिर है कि एक निश्चित भीड़ उसका विरोध करेगी। उस भीड़ के हाथों में लाठी-डंडे, हॉकियां, रिवॉल्वर या पिस्तौल और पत्थर भी होंगे। ज्यादातर स्थानों पर हिंदू-मुसलमान सांप्रदायिक तनाव ही फैलते हैं। अलबत्ता संभल की तरह भीड़ पुलिस को भी निशाना बना सकती है। पुलिसकर्मियों पर घातक हमले किए जा सकते हैं।

बहरहाल उन्मादी, मजहबी भीड़ को कौन समझाए, नतीजतन जहां भी अदालत ने सर्वे या वैज्ञानिक जांच के आदेश दिए हैं, वे शाश्वत हिंसक तनाव की 'रक्तभूमि' बन गए हैं। क्या हम इन हालात को खत्म नहीं कर सकते? क्या 'दफन अतीत' को कुरेदते रहना ही ऐतिहासिक है? बेशक यह ऐतिहासिक यथार्थ है कि 500-700 साल पहले कुछ आततायी, आक्रांता मुगल बादशाहों ने तत्कालीन हिंदू मंदिरों को खंडित कर 'मलबा' बनवाया और उन पर मस्जिदों का निर्माण कराया। ऐसा निर्माण ही इस्लाम-विरोधी है। आज 21वीं सदी में उन पुराने आक्रमणों और अत्याचारों को 'दफन इतिहास' मानते हुए क्या भूला नहीं जा सकता? वे ऐतिहासिक गलतियां तो नहीं थीं, क्योंकि हिंदू धर्म के प्रतीकों को कुचलने के लिए मुगल शासकों ने वे सांप्रदायिक हमले किए थे। फिर भी माफ करना तो हमारी प्राचीन संस्कृति रही है। मंदिर-मस्जिद की कानूनी लड़ाई लड़ते रहने से अंतिम हासिल क्या होगा? कमोबेश 1800 हिंदू मंदिरों का नए सिरे से निर्माण, पुनरोत्थान तो संभव नहीं है। एक डाटा के अनुसार, करीब 22000 ट्रायल कोर्ट जज हैं, जिनकी अदालत में 4.5 करोड़ से अधिक केस लंबित हैं, लिहाजा वे भी दबाव में रहते होंगे! उनके फैसले भी सवालिया हो सकते हैं, क्योंकि उन्हें अनुभव भी कम है, नतीजतन मंदिर-मस्जिद विवाद शाश्वत तनाव और हिंसा का बीजारोपण करते रहे हैं। मणिपुर का भी उदाहरण हमारे सामने है, जब उच्च न्यायालय ने एक समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के आशय से राज्य सरकार को सर्वे कराने का फैसला दिया था। उससे उपजा सामाजिक और जातीय संघर्ष आज दावानल में बदल चुका है, जो अभी तक सरकारों के नियंत्रण के बाहर है। सर्वे की आड़ में ताजमहल और कुतुबमीनार को भी खोदने की चर्चाएं सामने आई हैं, लेकिन अदालतों ने ऐसे ऐतिहासिक खिलवाड़ को खारिज कर दिया। दरअसल अपनी सांस्कृतिक हकीकत को हासिल करने के बजाय यह हिंदूवादी राजनीति ज्यादा है।

हिंदू पक्ष दावा करता है कि हरिहर मंदिर को तोड़कर जामा मस्जिद बनाई गई थी

धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हमारी सांस्कृतिक प्रथाओं के लिए मारकाट कब थमेगी?

डॉ. सत्यवान सौरभ

संभल की ज़िला अदालत ने शाही जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने का आदेश एक याचिका के आधार पर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि यह हिंदू मंदिर स्थल पर बनी है। इस आदेश के कारण स्थानीय मुस्लिम निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिन्होंने इसे अपने धार्मिक अधिकारों और विरासत पर हमला माना। जब सर्वेक्षण का विरोध करने के लिए बड़ी भीड़ इकट्ठा हुई तो विरोध प्रदर्शन हिंसा में बदल गया। रिपोर्ट बताती हैं कि प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हुई, जिसके परिणामस्वरूप प्रदर्शनकारियों और कानून प्रवर्तन अधिकारियों दोनों को चोटें आईं और मौतें हुईं। भारत में धार्मिक स्थलों पर चल रहे विवाद, विशेष रूप से ऐतिहासिक धर्मांतरण के दावों से जुड़े विवादों ने सांप्रदायिक संवेदनशीलता को बढ़ा दिया है।

संभल में दायर याचिका वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा के शाही ईदगाह के लिए दायर याचिकाओं की तरह ही है। मुख्य मुद्दा यह है कि कानून-'पूजा स्थल अधिनियम, 1991' को कैसे समझा जाता है। संभल की ज़िला अदालत ने शाही जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने का आदेश एक याचिका के आधार पर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि यह हिंदू मंदिर स्थल पर बनी है। इस आदेश के कारण स्थानीय मुस्लिम निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिन्होंने इसे अपने धार्मिक अधिकारों और विरासत पर हमला माना। जब सर्वेक्षण का विरोध करने के लिए बड़ी भीड़ इकट्ठा हुई तो विरोध प्रदर्शन हिंसा में बदल गया। रिपोर्ट बताती हैं कि प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हुई, जिसके परिणामस्वरूप प्रदर्शनकारियों और कानून प्रवर्तन अधिकारियों दोनों को चोटें आईं और मौतें हुईं। भारत में धार्मिक स्थलों पर चल रहे विवाद, विशेष रूप से ऐतिहासिक धर्मांतरण के दावों से जुड़े विवादों ने सांप्रदायिक संवेदनशीलता को बढ़ा दिया है। वाराणसी और मथुरा में इसी तरह के मामलों ने ऐसे उदाहरण स्थापित किए हैं जो धार्मिक स्थलों की यथास्थिति को खतरे में डालने वाले सर्वेक्षणों या कानूनी कार्रवाइयों के रूप में देखे जाने पर सार्वजनिक अशांति में योगदान करते हैं। संभल की जामा मस्जिद का विवाद अयोध्या, काशी और मथुरा में चल रहे मामलों के बीच बढ़ा है। हिंदू पक्ष दावा करता है कि हरिहर मंदिर को तोड़कर जामा मस्जिद बनाई गई थी। मुस्लिम पक्ष जामा मस्जिद को लेकर हिंदू पक्ष की दावों को खारिज करता है। हालिया लड़ाई कानूनन लड़ी जा रही है, जिसमें अदालत की ओर से आए मस्जिद के सर्वे ऑर्डर पर काम हो रहा है। संभल के सिविल जज की अदालत में विष्णु शंकर जैन की ओर से जामा मस्जिद को लेकर वाद दायर किया गया। सुप्रीम कोर्ट के वकील हरिशंकर जैन और केला देवी मंदिर के महंत ऋषिराज गिरि समेत 8 वादी हैं। वादियों ने भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और संभल जामा मस्जिद समिति को

विवाद में पार्टी बनाया है। याचिका में कहा गया-'मस्जिद मूल रूप से एक हरिहर मंदिर था, जिसे 1529 में मस्जिद में बदल दिया गया। मंदिर को मुगल सम्राट बाबर ने 1529 में ध्वस्त कराया था। बाबरनामा और आइन-ए-अकबरी किताब में इस बात का उल्लेख है कि जिस जगह पर जामा मस्जिद बनी है, वहाँ कभी हरिहर मंदिर हुआ करता था।' मुस्लिम पक्ष भी मानता है कि जामा मस्जिद बाबर ने बनवाई थी और आज तक मुसलमान इसमें नमाज पढ़ते आ रहे हैं। हालांकि मुस्लिम पक्ष कानूनी विवाद में सुप्रीम कोर्ट के 1991 के उस ऑर्डर को आधार बनाकर अपना विरोध दर्ज कराता है, जिसमें अदालत ने कहा था कि 15 अगस्त 1947 से जो भी धार्मिक स्थल जिस भी स्थिति में हैं, वह अपने स्थान पर बने रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या पर फैसले के समय भी इस पर ज़ोर दिया था। इसके जरिए मुस्लिम पक्ष संभल की जामा मस्जिद पर हक़ जताता है और हिंदू पक्ष के दावे, किसी अन्य न्यायिक कार्यवाही को कानून की अवहेलना बताया है। याचिकाकर्ताओं के दावे के बारे में कानून क्या कहता है? याचिकाकर्ताओं ने मस्जिद स्थल पर अपना दावा स्थापित करने के लिए एक दीवानी मुकदमा दायर किया। दीवानी मुकदमों में, प्रारंभिक दावों को आम तौर पर अंकित मूल्य (प्रथम दृष्टया) पर स्वीकार कर लिया जाता है, अगर मुकदमा विचारणीय माना जाता है तो बाद में और सबूत पेश किए जा सकते हैं। हालाँकि, कोई भी दावा जो पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र को बदलने की कोशिश करता है, उसे पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के तहत वर्जित किया जाता है। इस अधिनियम का उद्देश्य धार्मिक स्थलों की यथास्थिति को बनाए रखना है जैसा कि वे 15 अगस्त, 1947 को मौजूद थे। पूजा स्थल अधिनियम, 1991 क्या कहता है? अधिनियम पूजा स्थलों के किसी भी रूपांतरण पर रोक लगाता है और यह अनिवार्य करता है कि उनका धार्मिक चरित्र वैसा ही रहना चाहिए जैसा वह 15 अगस्त, 1947 को था। विशेष रूप से, धारा 3 किसी भी पूर्ण या आंशिक रूप से किसी अन्य संप्रदाय या संप्रदाय के पूजा स्थल में रूपांतरण पर रोक लगाती है। धारा 4 में कहा गया है कि उस तिथि को किसी स्थान के धार्मिक चरित्र में परिवर्तन के सम्बंध में कोई भी कानूनी कार्यवाही समाप्त (समाप्त) कर दी जाती है, जिससे ऐसे रूपांतरणों के सम्बंध में नए मुकदमे दायर नहीं किए जा सकते। उल्लेखनीय रूप से, यह अधिनियम अपने अधिनियमन के समय पहले से ही विचाराधीन विवादों पर लागू नहीं होता है, जैसे बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि मामला, जिसने समकालीन विवादों में इसके आवेदन को जटिल बना दिया है। न्यायालयों ने इन टाइटल मुकदमों को कैसे अनुमति दी है? पूजा स्थल अधिनियम के प्रावधानों के बावजूद, अदालतों ने ज्ञानवापी और मथुरा जैसे स्थानों से सम्बंधित टाइटल मुकदमों को बनाए रखने योग्य क़रार देकर अनुमति दी है सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की गई एक महत्त्वपूर्ण टिप्पणी ने संकेत दिया कि अधिनियम के तहत किसी स्थान की धार्मिक प्रकृति को बदलना प्रतिबंधित है, लेकिन इसके ऐतिहासिक चरित्र की जांच अभी भी अनुमेय हो सकती है। इस व्याख्या ने ज़िला न्यायालयों को अधिनियम की मंशा का सीधे उल्लंघन किए बिना ऐसी याचिकाओं पर विचार करने का आधार प्रदान किया है। संभल के मामले में, न्यायालय ने यह निर्धारित करने से पहले सर्वेक्षण का आदेश दिया कि क्या दीवानी मुकदमा विचारणीय है।

दृष्टि कोण

रेवड़ी संस्कृति विकास पथ में रोड़ा

रेवड़ी शब्द के साथ संस्कृति शब्द का उपयोग कदाचित उचित नहीं माना जा सकता है, क्योंकि संस्कृति शब्द अपने आप में व्यापक व्याख्या समेटे हुए है, तथापि सामान्य लोगों को आसानी से समझ में आ जाए, संभवतः रेवड़ी के साथ संस्कृति शब्द प्रचलन में है। हाल ही में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नवीनतम नतीजों में 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटें बीजेपी गठबंधन ने जीती हैं। महाराष्ट्र सरकार ने 28 जून 2024 को मुख्यमंत्री माझी लडक़ी (लाडक़ी) बहिना योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के जरिए महाराष्ट्र में 21 से 65 साल की महिलाओं को हर महीने 1500 रुपए की आर्थिक मदद दी जाती है। राज्य सरकार को महिलाओं के कुल 1.12 करोड़ आवेदन मिले थे, जिनमें से 1.06 करोड़ आवेदन स्वीकृत किए गए थे। ऐसा अनुमान है कि इस बार के चुनावों में महिलाओं ने भाजपा गठबंधन के पक्ष में खूब मतदान किया जिस वजह से महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की पुनः सरकार बनने जा रही है। फ्रीबीज यानी मुफ्त की रेवडियों का यह एक और उदाहरण कहा जा सकता है जिससे प्रभावित होकर महाराष्ट्र की महिलाओं ने एकतरफा मतदान कर चुनाव पूर्व सारे अनुमानों को झुठला दिया है। भारत 50 साल पहले भी विकासशील राष्ट्र था और आज विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने के बाद भी विकासशील देश का ही तमगा गले में लटकाए घूम रहा है। आखिर क्या वजहें हैं कि द्वितीय विश्व युद्ध में पूरी तरह से ध्वस्त हो चुके जर्मनी और जापान जैसे देश अपने विजन, राष्ट्रप्रेम, दूरदर्शी निर्णयों और कठोर परिश्रम के बलबूते विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़े हुए हैं, जबकि विश्व की सर्वाधिक युवा जनसंख्या वाला देश भारत अभी भी हमारे नेताओं की अदूरदर्शिता, पब्लिक फंड के गलत इस्तेमाल, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और मुफ्त की रेवडियां बांटने की राह पर चलते हुए विश्व की सर्वाधिक गरीबी की रेखा वाले देशों में से एक की श्रेणी में बना हुआ है। इस साल 2024 के वैश्विक भूख सूचकांक (जीएचआई) में भारत 127 देशों में 105वें स्थान पर है और भारत का स्कोर 27.3 है, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। भारत में गरीबी के प्रमुख कारणों में भ्रष्टाचार, शिक्षा की कमी, धन का असमान वितरण, जनसंख्या विस्फोट, जाति व्यवस्था, लोगों की स्वार्थपरक मानसिकता, अमीर-गरीब की खाई और राजनीतिक वित्तीय कुप्रबंधन शामिल हैं। भले ही भारत ने दुनिया के टॉप-10 धनी देशों में जगह बना ली हो, लेकिन कर्जदार देशों की लिस्ट में भी भारत आठवें स्थान पर मौजूद है। भारत पर 2023 तक 3057 अरब डॉलर का कर्ज था। रेवड़ी संस्कृति, जिसे अंग्रेजी में फ्रीबीज कल्चर भी कहते हैं, यद्यपि कई मायनों में मानव एवं सामाजिक कल्याण के दृष्टिकोण से अच्छा भी मानी जाती है। फ्रीबीज की शुरुआत सन् 1956 से हुई मानी जा सकती है, जब मध्याह्न भोजन योजना पहली बार वर्ष 1956 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के. कामराज द्वारा शुरू की गई थी। ऐसा माना जाता है कि आंध्र प्रदेश में एनटी रामाराव की 2 रुपए किलो चावल योजना ने आज के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम की नींव रखी थी। तेलंगाना की रायथु बंधु और ओडिशा की कालिया योजनाओं ने किसानों की सहायता के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अग्रदूत के रूप में कार्य किया है। सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च के एक अध्ययन के अनुसार, तमिलनाडु और बिहार जैसे राज्य महिलाओं को सिलाई मशीन, साडियां और साइकिलें उपलब्ध कराते हैं, जिससे इन उद्योगों की बिक्री को बढ़ावा मिलता है, जिसे संबंधित उत्पादन के कारण अपव्यय के बजाय उत्पादक निवेश माना जा सकता है। महिलाओं के लिए बस पास जैसी फ्रीबीज सुविधाएं महिलाओं को क्रियाशील कार्यबल में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करती हैं जिससे महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा मिलता है। तथापि भारत के निर्वाचन आयोग को चुनावों के दौरान मुफ्त वाली घोषणाओं की प्रभावी निगरानी और उनके विनियमन को सुनिश्चित करने की जरूरत है। नागरिकों को भी अल्पकालिक लाभ से प्रभावित होने के स्थान पर राजनीतिक दलों के दीर्घकालिक विकास एजेंडे के आधार पर मतदान के समय देशहित में निर्णय लेने के लिए शिक्षित किए जाने की जरूरत है। चुनाव जीतने के लिए फ्रीबीज पर अत्यधिक निर्भरता के बजाय, राजनीतिक दलों को सामाजिक सुरक्षा तंत्रों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, जैसे कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल, सुदृढ़ शिक्षा प्रणाली, रोजगार सृजन और व्यापक गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम, ताकि सामाजिक, आर्थिक असमानता के मूल कारणों का प्रभावी ढंग से समाधान किया जा सके। रेवड़ी कल्चर एक चुनावी हथकंडा है, जो तात्कालिक लाभ देने के बावजूद दीर्घकालिक रूप से देश की आर्थिक प्रगति में बाधा डालता है। आज राजनीतिक दलों को मुफ्त की घोषणाओं से आगे बढक़र दीर्घकालिक विकास योजनाओं की दिशा में काम करने की जरूरत है। चूंकि आत्मनिर्भर भारत और सतत विकास के मार्ग को अपनाना ही लोगों के हित में है, अतएव सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी योजनाएं लाई जाएं जो पारदर्शी, लक्षित, जनहित में टिकाऊ हों तथा राजनीतिक लाभ के लिए सार्वजनिक धन का दुरुपयोग न करती हों। वर्तमान समय में दिल्ली, पंजाब में आप सरकारें, हिमाचल, तेलंगाना में कांग्रेस सरकारों के अलावा कई राज्यों और केंद्र सरकार भी पीएम किसान सम्मान निधि और 5 किलो मुफ्त राशन जैसी मुफ्त की रेवडियां बांटकर मतदाताओं को लुभाने में कहीं पीछे नहीं हैं।

कुछ अलग

नई क्रांति की शुरुआत

कल जो हमारे कातिल थे, आज हमारे साथ हुए अपराधों की सजा सुनाने के लिए न्याय का हथौड़ा पीट रहे हैं। उनकी आंखों का रंग बदल गया है। कल तक उनसे खून बरस रहा था, वे रक्तवर्णी हो रही थीं, आज उनसे शांति के पैगाम आ रहे हैं, मानवधर्मी सफेद पताकाएं फहरा रही हैं। शांति कपोतों का मोल बढ़ गया। अपने दोनों हाथों से उन्हें किसी मंच से उड़ाओगे, तो उस मंच की अभ्यर्थना कर रही हजारों की भीड़ गदगद हो जाएगी। लोग लिबास बदलने की तरह अपने मूल्य और आदर्श बदल रहे हैं। इनसानों की बस्तियां जलाने वाले लोग अब फायर ब्रिगेड के जाबांज कर्मचारी बन आग पर पानी की बौछार करते नजर आते हैं। अरे यही तो थे जो कल इस जलती हुई आग पर तेल डालने का काम कर रहे थे, और इसे अपना पुण्य कर्म बता रहे थे। अमानवीयता का सैलाब गुजर गया। पीछे घोंघे, पत्थर, कूड़ा-कर्कट ही नहीं छोड़ गया, कुछ सरकटी लाशें भी छोड़ गया। अजब मंजर था वह। लोग तिरंगे फहरा कर, भारत माता की जय चिल्लाते हुए एक-दूसरे की पीठ में छुरे घोंप रहे थे। अब जब मुखौटा बदलने का वक्त आया तो लोग एक-दूसरे की पीठ थपथपा कर घायलों के जख्मों पर मरहम लगाते देखे जा रहे हैं। दंगों का सैलाब गुजर गया, अब सम्मान पत्र बांटने वाले, या अपना अभिनंदन स्वयं ही करवा लेने वाले सामने आ रहे हैं, कि देखो बंधु, हमने दंगों की इस पीड़ा को अपने बदन पर नहीं, बल्कि अपनी आत्मा पर झेला है। इसीलिए तो फसाद और खून के उन दिनों में हमने घिरे हुए अभागों की भूख-प्यास की सुध ली। उनके अटूट लंगर की कड़ी को टूटने नहीं दिया। हम उन्हें अपनी पीठ थपथपाते हुए देखते रहे कि हां, उत्पाती दिनों में इन लोगों ने दस रुपए की पानी की बाल्टी बीस रुपए में बेची है। वे मुंह मांगी कीमत प्राप्त कर सके, इसके लिए यह भी हो सकता है कि उन अशांत दिनों में उन्होंने पानी की आपूर्ति खुद ही बाधित कर दी हो। अब कारवां गुजर जाने के बाद उसके गुब्बार को पछाडने के लिए, जल आपूर्ति से लेकर भूख आपूर्ति तक करते हुए अब समय सारथी बन हर तरह की प्रवंचना से जूझ जाने का संदेश दे रहे हैं। एक चेहरे पर समयानुसार दूसरा चेहरा लगा लेना, और अपनी पीठ खुद ही थपथपा अपने आपको क्रांतिवीर घोषित कर देने का यह उद्घोष हम हर क्षेत्र और हर समय में देखते-सुनते आ रहे हैं। इन दिनों इसका रिवाज कुछ अधिक हो गया है, क्योंकि सुना है जो असल हकदार थे, वे तो इस पहचान और अभ्यर्थना के मेले में लुट गए साहिब, और तमाशबीन दुकानें सजा कर बैठ गए, जहां आपके लिए पुरस्कार से लेकर सम्मान पत्र तक सब नीलाम हो रहे हैं। आधी रात को 'खून का बदला खून' चिल्लाने वाले शूरवीर सुबह होते ही सूरजमुखी बन कर शांति का सूरज उगा देने के पैरोकार बन गए, क्योंकि यह बात तो उनके बड़े-बूढ़े पहले ही बता गए थे, कि बरखुरदार गंगा जाओ तो गंगाराम बन जाओ, और जमना जाओ तो जमनादास बनने की घोषणा कर दो। कालांतर में यह समझ उन्हें दलबदलू बनने की प्रेरणा देती है। अपनी टोपी बदल कर वे कभी शर्मिन्दा न हुए, बल्कि इसे आत्मावलोकन कह अपनी समझ का नया पड़ाव हमें समझा इसे न्यायसंगत ठहरा गए। आजकल दलबदलू कानून भी उनका अवरोध नहीं कर पाते। गठजोड़ संस्कृति आ गई है। लोग एक-दूसरे के विरुद्ध कीचड़ उछालते हुए चुनाव लड़ते हैं, बाद में सत्ता पर कब्जा जताने के लिए एक-दूसरे के साथ गठजोड़ करते हुए उन्हें कोई हिचकिचाहट नहीं होती। अलग-अलग दर्शनों से प्रतिबद्धता जताने वाले भी कितनी जल्दी एक न्यूनतम सांझे कार्यक्रम पर पहुंच जाते हैं, और अपने-अपने हिस्से की विजयमाला बांट करके पहन लेते हैं।

देश दुनीया से

जलवायु परिवर्तन के खतरों से बच्चों को बचाएं

हाल ही में प्रस्तुत हुई यूनिसेफ की रिपोर्ट 'द फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्ड' ने भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों, त्रासद स्थितियों एवं भयावह भविष्य को उजागर किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। उस समय जन्म लेने वाले बच्चों को जन्म के बाद जीवन में जलवायु परिवर्तन के संकटों से जुझना होगा, भीषण लू, गरमी, बाढ़, तूफान, चक्रावात और अनेक जलवायु जनित बीमारियों से सामना करना होगा। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन, जलवायु परिवर्तन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण, चुनौतीपूर्ण एवं संकटपूर्ण होगा। वर्ष 2021 में बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत कुल 163 देशों की सूची में 26वें स्थान पर था। ऐसे में भारत में बच्चों को अधिक गर्मी, बाढ़ और वायु प्रदूषण से गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण और कम आय वाले समुदायों में यह संख्या ज्यादा है। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 2050 में बच्चों को 2000 के दशक की तुलना में लगभग आठ गुना ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ सकती है। जाहिर है, जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों, विषमताओं व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर मंडरा रहे खतरों के लिये संवेदनशीलता के साथ सावधान एवं सतर्क होने एवं उचित-प्रभावी कार्ययोजना बनाने की जरूरत है। इसी तरह, गहरे डिजिटल विभाजन के बीच एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों के लिए अच्छी और बुरी, दोनों हो सकती है। एक ताजा आंकड़ा बताता है कि उच्च आय वाले देशों में 95 फीसदी आबादी इंटरनेट से जुड़ी है, तो निम्न आय वाले देशों में सिर्फ 26 प्रतिशत लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है। भारत में वर्तमान में इंटरनेट की व्यापकता ने बच्चों के जीवन में अनेक संकट खड़े किये हैं। यूनिसेफ ने इस डिजिटल डिवाइड को पाटने और बच्चों तक नयी प्रौद्योगिकियों की सुरक्षित एवं समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समावेशी प्रौद्योगिकी पहल की वकालत की है। बच्चे चूंकि हमारा भविष्य हैं, इसलिए बच्चों और उनके अधिकारों को सरकारी नीतियों-रणनीतियों के केंद्र में रखना समृद्ध और टिकाऊ भविष्य के निर्माण एवं संतुलित-आदर्श समाज-व्यवस्था के लिए आवश्यक है। अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर-जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। आने वाले पच्चीस वर्षों में बच्चों पर लू का 8 गुणा, बाढ़ का 3 गुणा एवं जंगली आग का दोगुणा खतरा होगा। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे। वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं और बच्चों के अनुकूल और जलवायु परिवर्तन के लिहाज से जुझारु, सुरक्षित एवं निरापद शहरी नियोजन के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और टिकाऊ शहरी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी जाये। शहर बेहतर जीवन के लिए बेहतरीन अवसर और उम्मीद दे सकते हैं। वे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न करते हैं और उन्हें तेजी से विकास हासिल करने के लिए इंजन माना जाता है। वे विकास और नवाचार, विविधता और कनेक्टिविटी के दुनिया के सबसे मजबूत स्रोतों में से हैं और संभावित रूप से बच्चों को जीने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान कर सकते हैं। बढ़ता शहरीकरण बड़ी असमानताओं को भी जन्म दे सकते हैं। आज शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 4 बिलियन लोगों में से लगभग एक तिहाई बच्चे हैं। यह अनुमान है कि 2050 तक, दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत बच्चे शहरी क्षेत्रों में रहेंगे, जिनमें से कई झुग्गी-झोपड़ियों में रहेंगे। इसलिये शहर स्कूलों और अस्पतालों जैसी बुनियादी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान कर सकते हैं, भीड़भाड़ और उच्च प्रवेश लागत के कारण सबसे गरीब शहरी बच्चे उन तक पहुंचने में असमर्थ हो सकते हैं। अन्य चुनौतियाँ जो शहरी गरीबों को प्रभावित करती हैं, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को, उनमें भीड़भाड़ और अपर्याप्त सफाई व्यवस्थाएं शामिल हैं-जो बीमारियों के फैलने में सहायक होती हैं-किफायती और सुरक्षित आवास की कमी, परिवहन की खराब पहुंच और बाहरी वायु प्रदूषण में वृद्धि आदि हैं। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। वर्तमान में पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो अगर सरकारें अभी से नहीं चेती तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। मासूम चेहरों एवं चमकती आंखों का नया बचपन भारत के भाल पर उजागर एवं कायम करने के लिये सरकारों को गंभीर होना होगा।

आप का नजरीया

मेडिकल संस्था का बचाव

लोगों को अस्पताल, व्यवस्था को नए नियम और सरकार को औपचारिकताओं को बदलने का समाधान चाहिए, ताकि भोटा के राधास्वामी चैरिटेबल ट्रस्ट पर मंडरा रहा गतिरोध खत्म हो जाए। जमीन पर इरादों की फेहरिस्त ने कभी राधास्वामी सत्संग ब्यास के नाम, हमीरपुर के भोटा में लैंड सीलिंग एक्ट में मिली छूट का मोहल्ला बना दिया, लेकिन कानून की नई जुंबिश ने वर्षों पहले स्थापित चैरिटेबल अस्पताल का अस्तित्व हिला दिया है। दरअसल जमीन के जिस टुकड़े पर अस्पताल चलता है, उसे एक अलग संस्था में निरूपित करके राधा स्वामी सत्संग ब्यास, इस फर्ज की निरंतरता को बरकरार रखना चाहता है, वरना अस्पताल के मुख्य गेट पर चस्पां नोटिस बता रहा है कि जीवनदान न मिला तो दिसंबर की पहली तारीख इसके अस्तित्व की अंतिम सांस लेगी। जाहिर है मसले के केंद्रबिंदु में हिमाचल सरकार के सामने सीमित विकल्प हैं। या तो आंख मूंद कर भारत सरकार द्वारा निर्देशित लैंड सीलिंग एक्ट की भावना में मुख्य ट्रस्ट को अस्पताल की जमीन अन्य संस्था को ट्रांसफर करने से छूट न दे या अपनी इच्छाशक्ति से कानून की परिपाटी को ही बदल दे। सरकार के लिए निर्णायक होने की एक वजह तो यह है कि भोटा अस्पताल को बचाने के लिए जनता सामने आ गई है। रोजाना इसके बचाव के समर्थन में जनता ने ठान लिया है कि वह अपने संघर्ष की दीवार खड़ी करती रहेगी। सरकार के लिए यह तोहफा आसान नहीं। खासकर लैंड सीलिंग एक्ट की धाराओं ने हिमाचल की सामाजिक धरती हिलाई है। कानून की शक्ल में सामाजिक सुरक्षा की पैरवी का ही असर है कि यहां सियासत के बिल्ले अब स्थानीय निकायों तक झगड़ालू हो गए। खेत छोटे, झगड़े बड़े हो गए और अब आवासीय सुविधाओं की खोज, एक टेढ़ा अरमान साबित हो रही है, लेकिन जिस उद्देश्य से लैंड सीलिंग कानून अपनाया गया, उसके नतीजे कुछ और कहते हैं। लैंड सीलिंग एक्ट से खेती के अधिकार कृषि मजदूरी की संपत्ति होनी चाहिए थी, लेकिन अब हिमाचली परिदृश्य में आयातित उत्पाद और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विश्राम दिखाई देता है। यह दीगर है कि लैंड सीलिंग के बाद गैर हिमाचली को भूमि की खरीद पर लगी पाबंदियों ने धारा 118 को सियासी पहलवान बना दिया। हिमाचल की इन्वेस्टमैंट खोज, पर्यटन की मौज और यहां आकर बसने का ओज अब धारा 118 के समानांतर एक साम्राज्य सरीखा है और जिसके तहत बंटती है विशेषाधिकार की पहुंच और प्रभावशाली संपर्क। खैर, जमीनों की तफतीश में कानूनों के ढेरियां भी असफल हैं, क्योंकि इस मर्ज ने दवा के बजाय, बीमारियां ही पैदा की। जिस राज्य में लैंड सीलिंग एक्ट ने बड़े खेतों के स्वामी दरकिनार कर दिए, वहां नए लैंड लॉर्ड चमत्कृत हुए। इन्हें आप भू-माफिया के रूप में देखें या धार्मिक आचरण के जमघट में नए श्रद्धास्थल के रूप में देखें, एक बड़ा हिमाचल इनके कब्जे में है। राधास्वामी आश्रमों की श्रृंखला में हिमाचल का एक बड़ा रकबा जिस संस्था के नाम है, वह अपने उद्देश्यों की परिपाटी में आखिर इतनी बेरहम कैसे हो सकती है कि एक सामाजिक दायित्व के अधीन चल रहे अस्पताल के अस्तित्व को जमीन का विरोध बना दे।

भाई की हार के बाद किरोड़ीलाल मीणा का फिर छलका दर्द

लिखा, इतने कांटे चुभे कि तलवे मेरे छलनी हो गए

जयपुर (हिंस)। दौसा विधानसभा उपचुनाव में मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के भाई और भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी जगमोहन मीणा की हार के बाद रह-रहकर उनके भाई किरोड़ी लाल मीणा का दर्द सामने आ रहा है। किरोड़ी लाल ने गुरुवार को फिर से सोशल मीडिया के जरिए अपना दर्द व्यक्त किया है। उन्होंने इस बार एक शायरी शेयर करते हुए कहा है कि सूरज मुझसे आंख मिलाते घबराता है, चांद सितारों की औकात है क्या? इससे पहले भी उपचुनाव परिणाम के दिन किरोड़ी लाल मीणा ने इशारों में अपना दर्द बयां किया था। उन्होंने कहा था कि गैरों में कहां दम था, मुझे तो सदा ही अपनों ने ही मारा है। किरोड़ी लाल ने दौसा चुनाव में भीतरघात करने वाले नेताओं को मेघनाथ भी बताया था। कहा था कि लोगों ने मेघनाथ बनकर मेरे लक्ष्मण जैसे भाई पर शक्ति का बाण चला डाला। अब किरोड़ी लाल ने सूरज

मुझसे आंख मिलाते घबराता है, चांद सितारों की औकात है क्या? खेला हूं मैं सदा आग से, अंगारों के गांव में। मैं पलता-फलता आया जहरीली फुफकारों की छांव में। इतने कांटे चुभे कि तलवे मेरे छलनी हो गए, चलने का है जोश भला, फिर भी मेरे पांवों में बहुत है बढ़िया कि मुझे मार दे, नहीं मौत में दम इतना। कब्र-मजारों की औकात है क्या? सूरज मुझसे आंख मिलाते घबराता है, चांद सितारों की औकात है क्या शायरी शेयर की है। मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने अपने भाई जगमोहन मीणा की हार के बाद अपने एक्स हैंडल पर लिखा था कि मुझे 45 साल हो गए। राजनीति के सफर के दौरान सभी वर्गों के लिए संघर्ष किया। जनहित में सैंकड़ों आंदोलन किए। साहस से लड़ा। बदले में पुलिस के हाथों अनगिनत चोटें खाईं। आज भी बदरा घिरते हैं तो समूचा बदन कराह उठता है। मीसा से लेकर जनता की खातिर दर्जनों बार जेल की सलाखों के पीछे रहा। इसी मजबूत नींव और सशक्त धरातल के बूते दौसा का उपचुनाव लड़ा। जनता के आगे संघर्ष की दास्तां रखी। घर-घर जाकर वोटों की भीख भी मांगी। फिर भी कुछ लोगों का दिल नहीं पसीजा। भीतरघाती मेरे सीने में बाणों की वर्षा कर देते तो मैं दर्द को सीने में दबा सारी बातों को दफन कर देता लेकिन उन्होंने मेघनाथ बनकर मेरे लक्ष्मण जैसे भाई पर शक्ति का बाण चला डाला। साढ़े चार दशक के संघर्ष से न तो हताश हूं और न ही निराश। पराजय ने मुझे सबक अवश्य सिखाया है लेकिन विचलित नहीं हूं। आगे भी संघर्ष के इसी पथ पर बढते रहने के लिए कृतसंकल्प हूं। गरीब, मजदूर, किसान और हरेक दुखिया की सेवा के व्रत को कभी नहीं छोड़ सकता परन्तु हृदय में एक पीड़ा अवश्य है। यह बहुत गहरी भी है और पल-प्रति-पल सताने वाली भी। दौसा सीट पर हाल ही में उपचुनाव में कांग्रेस के डीसी बैरवा ने 2300 वोटों से जीत हासिल की है। उन्होंने मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा को हराया है। इस उपचुनाव में कांग्रेस के डीसी बैरवा को 75536 और बीजेपी के जगमोहन मीणा को 73236 वोट मिले हैं।

रामायण में सीता और महाभारत में गीता हमारी मार्गदर्शक : राज्यपाल

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि रामायण में सीता और महाभारत में गीता हमारी मार्गदर्शक है। सीता माई ने जो कठिनाई झेली वह जीवन पथ का आलोक है। उन्होंने रामायण और गीता को विश्व के प्राचीनतम ग्रंथ बताते हुए कहा कि यही भारत की संस्कृति और धर्म है। बागडे गुरुवार को अखिल भारतीय यादव महासभा *अहीर* द्वारा *भगवान श्री कृष्ण विचार एवं जनमानस* विषयक आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यादव महासभा द्वारा श्री कृष्ण के सर्वधर्म सद्भाव की संस्कृति का सर्वत्र प्रसार करने का आह्वान किया। उन्होंने श्री कृष्ण के फल की इच्छा के बगैर कर्म करने के गीता के संदेश से प्रेरणा लेकर जीवन जीने पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण कभी इतिहास नहीं हो सकते। वह जनमानस में गहरे से रचे-बसे हैं। श्री कृष्ण की बांसुरी और राधा से उसकी डाह की चर्चा

करते हुए उन्होंने कहा कि उनके बगैर जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण को युगप्रवर्तक बताते हुए कहा कि जहां अन्याय-अत्याचार हुआ उसका विरोध किया। संस्कृति की हानि हुई तो भगवान ने आगे आकर उसका संरक्षण किया। राज्यपाल ने श्री कृष्ण- सुदामा की मित्रता की चर्चा करते हुए कहा कि उनकी मित्रता निभाने के संस्कार से सीख लेनी चाहिए।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को मंजूरी

दो आईपीएस सहित 255 पद स्वीकृत

जोधपुर (हिंस)। नशे की प्रवत्ति को रोकने व ड्रग्स माफियाओं पर शिकंजा कसने के लिए अब एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन किया गया है। आंध्र प्रदेश, बिहार व तेलांगना के बाद अब राजस्थान में भी एएनटीएफ का गठन होगा। जोधपुर से यह टास्क फोर्स संचालित होगी, इसमें 2 आईपीएस सहित 255 पद स्वीकृत किए गए है। इसके अलावा एनसीबी का एक कार्यालय भारत-पाकिस्तान बोर्डर पर शुरू होने वाला है। बॉर्डर पर एनसीबी की कार्रवाई के लिए जोधपुर से टीम जाती थी लेकिन अब वहीं डेडिकेटेड टीम होने से वहां होने वाली तस्करी पर तुरंत कार्रवाई हो सकेगी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के जोनल डायरेक्टर घनश्याम सोनी ने बताया कि सरकार ने तत्परता दिखाते हुए एएनटीएफ की स्वीकृति जारी की। इस फोर्स में 255 पद स्वीकृत किए है और राजस्थान में 9 चौकियां स्थापित होगी। इससे राजस्थान में ड्रग्स की जिस तरह तस्करी चल रही है ऐसे में एएनटीएफ बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा। ड्रग्स माफिया को खतम करने के लिए डेडिकेटेड फोर्स की जरुरत थी वह इस टास्क फोर्स के गठन से पूरी हुई। उन्होंने बताया कि ड्रग्स माफिया को खत्म करने का हम प्रयास कर रहे है लेकिन टास्क फोर्स के बनने के बाद प्रोपर कॉर्डिनेशन के साथ बेहतर परिणाम सामने आएंगे। सोनी ने बताया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का एक कार्यालय भारत पाकिस्तान की सीमा पर श्रीगंगानगर में स्थापित किया जाएगा। हेड क्वाटर जोधपुर से ही यह ऑफिस संचालित होगा। वहां बैठे कर्मचारी बॉर्डर पर होने वाली ड्रोन से ड्रग्स की सप्लाई सहित कई मामलों में तुरंत कार्रवाई करेंगे। अभी यहां से टीम बॉर्डर तक जाती है उसके बाद काम शुरू होता है। यहां से टीम को पहुंचने में पांच घंटे लगते है टीम वहीं होगी तो तुरंत एक्शन ले सकेगी।

सरकारी स्कूल की दीवार गिरी, तीन की मौत

जालोर (हिंस)। सायला थाना इलाके में पोषाणा गांव में सरकारी स्कूल की दीवार गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। एक गंभीर घायल को अस्पताल पहुंचाया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। थानाधिकारी महेंद्र सिंह ने बताया कि पोषाणा गांव की राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में भवन निर्माण का काम चल रहा था। यहां नींव भरने के लिए जेसीबी से पुरानी चारदीवारी के पास चार फीट का गड्ढा खोदा गया। गुरुवार सुबह करीब नौ बजे इस गड्ढे में चार मजदूर मिट्टी समतल करने का काम कर रहे थे। इसी दौरान स्कूल की 10 फीट पुरानी दीवार गिर गई और चारों मजदूर मलबे में दब गए।

मौके पर मौजूद लोगों ने मजदूरों को बाहर निकालने के लिए मलबे को हटाने का काम शुरू किया। थानाधिकारी ने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से सभी को बाहर निकाला। मलबे में दबने से मोहनलाल (23) पुत्र रतनाराम निवासी लाल डूंगरी, सरवाणा (जालोर), विरमाराम (40) पुत्र चेनाराम निवासी कगाऊ (बाड़मेर) और भैराराम (40) पुत्र भूराराम राव निवासी बाड़मेर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि जगदीश पुत्र भूराराम निवासी बाड़मेर को गंभीर हालत में सायला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। महेंद्र सिंह ने बताया कि तीनों मजदूरों के शवों को सायला अस्पताल की अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। परिजनों के पहुंचने पर पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। सायला तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी और पुलिस टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया है।

सोनीपत : नहरी पानी के लिए किसानों ने दिया धरना

सोनीपत (हिंस)। खरखौदा में ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर के बैनर तलें नहरी पानी की मांग को लेकर किसानों ने जटोला माइनर पर सांकेतिक धरना देते हुए गुरुवार को रोष प्रदर्शन करके नारेबाजी की। सांकेतिक धरने का नेतृत्व कामरेड हंसराज राणा द्वारा किया गया। राणा ने कहा कि किसान लंबे समय से माइनर में नहरी पानी की मांग उठाते रहे हैं। इस विषय में विभाग के अधिकारियों, सिंचाई मंत्री, मुख्यमंत्री व उपायुक्त को मांग कर चुके हैं। लेकिन उनकी मांग को अनदेखा करके समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। जिससे इस क्षेत्र में खेती करने वाले किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस माइनर के द्वारा लगभग एक दर्जन गांवों के किसानों को नहरी पानी की आवश्यकता है। यदि किसानों की समस्या का समाधान नहीं किया जाता है तो वह अपने आंदोलन को तेज करेंगे। इस मौके पर नफे सिंह, प्रियव्रत, राजू, मनजीत, बबलू, लोकेश, सुरेश, नरेंद्र राणा, प्रदीप, प्रवीण व अन्य किसान मौजूद रहे।

बेटे का चालान काटने पर सीआईडी इंस्पेक्टर ने ट्रैफिक एसएचओ को धमकाया

कैथल (हिंस)। कैथल में ट्रैफिक थाना प्रभारी को अपने ही विभाग के इंस्पेक्टर के बेटे का चालान काटना महंगा पड़ गया। सीआईडी विंग के इंस्पेक्टर ने बेटे का चालान काटने पर ट्रैफिक थाना प्रभारी को धमकाया। चालान काटने को लेकर सीआईडी इंस्पेक्टर और ट्रैफिक एसएचओ आमने-सामने हो? गए। इसके बाद ट्रैफिक एसएचओ एसआई राजकुमार राणा ने इंस्पेक्टर के बेटे की काली फिल्म लगी बोलोरो गाड़ी का 17000 रुपए का चालान काट दिया। ट्रैफिक एसएचओ राजकुमार राणा ने बताया कि जब उन्होंने इंस्पेक्टर के बेटे की गाड़ी पर लगी ब्लैक फिल्म का चालान करना चाह तो उसके बेटे ने अपने पिता को फोन करके उसे वहीं मौके पर बुला लिया। सीआईडी एसआई गुरदयाल ने एसएचओ को धमकी दी कि अगर उनमें हिम्मत है तो वह उसके बेटे का चालान करके दिखाएं। तभी ट्रैफिक है एसएचओ ने फोन पर इस पूरी घटना की सूचना कैथल के एसपी राजेश कालिया को दी। उन्होंने कहा की रूल सबके लिए बराबर है चाहे कोई पुलिस कर्मचारियों का बेटा हो या कोई आम नागरिक। सभी को यातायात नियमों की

पालना करनी चाहिए। दूसरी और सीआईडी एसआई के बेटे अमित कुमार का कहना है कि उनकी गाड़ी के शीशे पर मात्र 30 प्रतिशत फिल्म लगी हुई थी। उन्होंने किसी ट्रैफिक नियम का उल्लंघन नहीं किया। फिर भी यातायात पुलिस द्वारा गाड़ी का काली फिल्म लगाने पर 10,000 का और यातायात सिग्नल तोड़ने का 7000 का चालान किया है। सीआईडी प्रभारी सब इंस्पेक्टर गुरदयाल सिंह ने बताया कि घर से कुछ दूर ही बेटे की गाड़ी को पुलिस ने रोक लिया था। फोन आने पर मैं सिर्फ देखने के लिए गया था, लेकिन किसी को धमकी नहीं दी। यातायात प्रभारी क्यों धमकी देने के आरोप लगा रहे हैं, मैं नहीं जानता। बेटे ने नियम तोड़े हैं तो चालान करना ठीक है, लेकिन मामले को धमकी देने की बात कहकर तूल देना गलत है।

भाजपा सरकार में कानून-व्यवस्था बिगड़ी : भूपेंद्र हुड्डा

सोनीपत (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जब से बीजेपी सत्ता में आई है, प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने कहा आज हरियाणा में कोई भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करता जबकि सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी नागरिकों की सुरक्षा है, लेकिन मौजूदा सरकार इसमें पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। हुड्डा ने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि हरियाणा में प्रतिदिन 3-4 हत्याएं, 4-5 बलात्कार और दर्जनों चोरी, लूट, डकैती की घटनाएं हो रही हैं। नशे और अपराध के मामलों में हरियाणा ने कई बड़े राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। सोनीपत में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए हुड्डा ने कहा कि नई बीजेपी सरकार की नाकामियां शुरुआत में ही उजागर हो गई हैं। उन्होंने कहा कि यह सरकार न किसानों को खाद दे पाई और न ही एमएसपी। हुड्डा ने बीजेपी पर गरीबों का हक छीनने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने चार लाख गरीब परिवारों को 100-100 गज के मुफ्त प्लॉट दिए थे, लेकिन बीजेपी सरकार ने इस योजना को बंद कर दिया। हुड्डा ने मौजूदा हालात को चिंताजनक बताते हुए कहा कि सरकार को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करना चाहिए। विधायक इंदु राज नरवाल प्रोफेसर वीरेन्द, सुरेंद्र शर्मा, ललित पवार, मनोज रिजाऊ, राजबीर सरोहा, सुरेंद्र छिकारा, रणधीर सरोहा, सुरेश त्यागी, अशोक सरोहा, सुरेश जोगी, रणधीर मलिक, संजय मलिक, प्रिंस सरोहा, सतीश चेयरमैन आदि इस अवसर पर मौजूद रहे।

गाजियाबाद : आम सभा में अधिवक्ताओं ने लिया निर्णय, जिला जज के निलंबन तक चलेगी हड़ताल

गाजियाबाद (हिंस)। जिला जज की अदालत कक्ष में 29 अक्तूबर को लाठीचार्ज के विरोध में अधिवक्ताओं का आंदोलन तब तक चलेगा जब तक जिला जज का निलंबन नहीं हो जाता। यह निर्णय गाजियाबाद के न्यायालय परिसर में बार एसोसिएशन की आम सभा की बैठक में गुरूवार को लिया गया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने इस निर्णय की जानकारी वकीलों को दी। दीपक शर्मा ने बताया कि वकीलों ने आम सभा में पास किए गए प्रस्ताव के मुताबिक बेमियादी कलमबंद हड़ताल एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट, जिला जज के निलंबन की पुरजोर मांग की गई। उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलन के दौरान यदि किसी अधिवक्ता अदालत के समक्ष उपस्थित हुए तो पांच साल के लिए

सदस्यता रद्द कर दी जाएगी, इसके साथ चैंबर का आवंटन भी रद्द किया जा सकता है। आमसभा में एक समन्वय समिति के गठन पर भी चर्चा हुई है। इस समिति में बार के पूर्व पदाधिकारी और वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल होंगे। आंदोलन की रणनीति पर यही समिति निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार होगी। दूसरी ओर कुछ अधिवक्ता अदालत में उपस्थित होकर कार्य कर रहे थे। मामले की सूचना मिलने पर आंदोलनरत अधिवक्ता अदालत पहुंचे और वकीलों को बाहर निकाल दिया। साथ ही उनके साथ बदसलूकी भी की। आंदोलनरत वकीलों का कहना है कि जब तक मांगे नहीं मानी जाती तब तक किसी भी अधिवक्ता को अदालत में उपस्थित होकर कार्य करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। आपको बता दें कि सोमवार शाम को बार एसोसिएशन गाजियाबाद ने तीन सप्ताह तक आंदोलन स्थगित रखने का प्रस्ताव पास किया था। भनक लगते ही निर्णय से आक्रोशित अधिवक्ताओं ने बार सभागार के बाहर हंगामा किया था। मंगलवार को वरिष्ठ अधिवक्ता के निधन की सूचना पर एसोसिएशन ने एक दिन का शोक प्रस्ताव पास कर बुधवार से काम पर लौटने की बात कही थी, लेकिन आंदोलन स्थगन से नाराज अधिवक्तों ने मंगलवार को भी हंगामा करते हुए बार अध्यक्ष दीपक शर्मा को पुतला तक फूंक दिया था। आज आमसभा में हड़ताल जारी रखने और स्थगित करने के सवाल पर अधिवक्ताओं के बीच माहौल काफी गर्मा गया था, लेकिन वरिष्ठों के दखल के बाद अधिवक्ताओं में एक राय बन गई और सभी ने मिलकर आमसभा में जिला जज के तबादले, एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट और लाठीचार्ज के लिए दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होने तक आंदोलन जारी रखने का निर्णय ले लिया।

बिजली संकट से किसान हो रहे परेशान, जनता के लिए कोई भी मुकदमा झेलने को तैयार : भाटी

जोधपुर (हिंस)। शिव विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि पूरे पश्चिमी राजस्थान में किसान बिजली को लेकर परेशान हैं। बिजली का संकट हैं। किसान त्राहिमाम कर रहे हैं। सरकार ने छह घंटे तक बिजली देने का वादा किया था, लेकिन चार घंटे बमुश्किल बिजली मिल रही है। अभी रबी की बुवाई चल रही है। सरकार को तय करना होगा कि किसानों को बिजली उनकी मांग के अनुसार मिले। गुरुवार को जोधपुर आए भाटी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि किसानों की बात सुनने के बाद वो खुद कई जीएसएस पर गए, जहां कई अनियमितताएं पाई गईं। बाड़मेर में डिस्कॉम चीफ से मिलकर कहा कि किसानों को पूरी बिजली देना सुनिश्चत करें। नहीं तो उनके कार्यालय पर धरना देना पड़ेगा। भाटी ने अपने खिलाफ दर्ज हुए मुकदमे को लेकर कहा कि जनता के लिए ऐसे कई मुकदमे वह झेलने को तैयार हैं। सरकार में किसी कर्मचारी को सजा देने के लिए निलंबन या एपीओ कर बाड़मेर भेज देने के सवाल पर भाटी ने कहा कि बाड़मेर कोई डस्टबिन नहीं है। आज राजस्थान में सर्वाधिक रेवेन्यू देने वाला जिला है। इस जिले की ऐसी पहचान और साख बनाना उचित नहीं है। बाड़मेर जिले में औरण बचाओ को लेकर चल रहे धरने पर शिव विधायक ने कहा कि औरण हमारी सामाजिक ओर सांस्कृतिक पहचान है। इसे बचाने के लिए धरना चल रहा है। जब तक कोई बात लिखित में नहीं होगी, धरना चलता रहेगा। अब प्रशासन भी इस बात को समझ चुका है, उम्मीद है जल्द इसका समाधान निकलेगा।

राजद कार्यकर्ताओं ने आरक्षण को लेकर किया धरना-प्रदर्शन

फारबिसगंज/अररिया (हिंस)। अररिया में 65 फीसदी आरक्षण को लेकर राजद की ओर से गुरुवार को एक दिवसीय धरना दिया गया। समाहरणालय परिसर के पास सैकड़ों की संख्या में धरने पर बैठे राजद के लोगों ने नीतीश कुमार की सरकार को आरक्षण विरोधी बताया। एक दो दिवसीय धरना का नेतृत्व अररिया राजद के जिला अध्यक्ष मनीष यादव ने किया। वही, धरने के दौरान मौजूद राजद नेताओं ने कहा कि सरकार 65 प्रतिशत आरक्षण लागू करे, नहीं तो चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किया जाएगा। जिला अध्यक्ष मनीष यादव की ओर से बताया गया कि अरबों रुपया खर्च करके जातीय जनगणना बिहार में कराया गया था। उस समय नीतीश कुमार की ही सरकार थी। राजद सहयोगी पार्टी के रूप में थी। यह पैसा गरीब किसान, मजदूर की खून पसीने की कमाई थी। लेकिन इसका लाभ गरीबों, मजदूरों को नहीं मिला, क्योंकि ये तय हुआ था कि 65 प्रतिशत हम आरक्षण बढ़ा के देंगे। लेकिन बिहार में नीतीश कुमार की सरकार आज तक उसे ठंडे बस्ते डाल कर रखी हुई है। उसके विरोध में हमारा यहां धरना जारी है, जो तब तक लगातार चालू रहेगा जब तक कि सरकार इसको लागू नहीं कर देती है। वही, जिला अध्यक्ष मनीष यादव ने कहा कि 65 प्रतिशत आरक्षण देने के मामले में सरकार उदासीन है। इसके चलते दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा वर्ग को आरक्षण का लाभ नहीं मिल रहा है। पात्र वर्ग को आरक्षण दिलाने की लड़ाई राजद अंतिम दम तक लड़ेगी। धरना के माध्यम से राज्यपाल को आरक्षण का मामला बताने का काम करेंगे। आरक्षण का लाभ लाभुकों को मिलना चाहिए।

वक्फ बोर्ड बिल पर विपक्ष का हंगामा सिर्फ राजनीति : तारकिशोर प्रसाद

कटिहार (हिंस)। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने वक्फ बोर्ड बिल पर विपक्ष के हंगामे को राजनीति से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस बिल पर विचार के लिए संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया है और इस दिशा में काम भी शुरू हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को भ्रमित करने में लगा है, जो कि बिल्कुल जायज नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और बिहार सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के हितों के प्रति पूर्ण रूप से संवेदनशील है एवं उनकी बेहतरी के लिए कदम उठा रही है। वक्फ बोर्ड बिल, 2024 के मुख्य बिंदु यह हैं कि यह बिल केंद्रीय वक्फ परिषद और वक्फ बोर्ड्स की संरचना में बदलाव करता है ताकि उनमें गैर मुस्लिम सदस्यों को शामिल किया जा सके।

बाल विवाह के खिलाफ एकजुट हुए बिहार के 38 जिलों के लोग

पटना (हिंस)। बिहार के बाजारों, स्कूलों, गांवों और कस्बों में आज *जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन* (जेआरसी) एलायंस के जागरूकता कार्यक्रमों में राज्य के 38 जिलों के 6400 गांवों के लोगों ने जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया और बाल विवाह के खिलाफ मशाल जुलूस निकाले। एक सामाजिक उद्देश्य के लिए एकजुटता के अभूतपूर्व प्रदर्शन में, पुलिस स्टेशनों, अदालतों, पंचायत सदस्यों, धार्मिक नेताओं, स्कूली बच्चों, शिक्षकों, धर्मगुरुओं, हलवाइयों और बाल विवाह पीड़ितों ने इस बुराई को समाप्त करने और कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिलने पर संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना देने की शपथ ली। बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक गैरसरकारी संगठनों का गठबंधन *जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन* एलायंस बाल विवाह के खात्मे के लिए बिहार के 38 जिलों में राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन के साथ काम कर रहा है। *जेआरसी* एलायंस ने कानूनी हस्तक्षेपों और परिजनों को समझा बुझा कर अब तक

देश में 2,50,000 से अधिक बाल विवाह रोके हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 (एनएचएफएस 2019-21) के आंकड़ों के अनुसार देश में 18 से 24 आयु वर्ग की 23.3 प्रतिशत लड़कियों का बाल विवाह हो जाता है जबकि बिहार में यह आंकड़ा 40.8 प्रतिशत है। बाल विवाह की पीड़ित बच्ची का पूरा जीवन दासता में गुजरता है और उसके लिए स्वतंत्रता के सभी दरवाजे बंद हो जाते हैं। साथ ही, बाल विवाह महिलाओं की श्रम बल में भागीदारी नहीं होने के पीछे सबसे बड़ा कारण है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान की सराहना करते हुए *जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन* एलायंस के संस्थापक भुवन ऋभु ने देश से बाल विवाह के खात्मे के लिए शुरू किए गए इस अभियान को पूर्ण समर्थन देते हुए सरकार के प्रयासों में हरसंभव सहयोग का वादा किया। उन्होंने कहा कि करोड़ों माताओं और बच्चियों की पीड़ा और विषम परिस्थितियों से जूझने की उनकी इच्छाशक्ति के साथ जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के हमारे 250 से भी ज्यादा संगठनों के सहकर्मियों के अनथक देशव्यापी प्रयासों से आज हम इस ऐतिहासिक मुकाम पर पहुंचे हैं। उल्लेखनीय हैकि आगामी महीनों में इस अभियान को बिहार के एक-एक जिले, ब्लॉक और गांव तक पहुंचाने के लिए जेआरसी के सदस्य सरकार के साथ निकटता से कार्य करेंगे। गठबंधन को विश्वास है कि यह अभियान जमीनी स्तर पर ग्राम पंचायतों के साथ मिलकर बाल विवाह के खिलाफ प्रयासों को और गति देगा तथा समाज के सभी हितधारकों के सहयोग से जनता को जागरूक कर इस अपराध के खात्मे में सहायक होगा।

हुआई ने लांच किए नई मेट 70 सीरीज़ के स्मार्टफोन

नई दिल्ली

स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी हुआई ने अपनी नई मेट 70 सीरीज़ के स्मार्टफोन लॉन्च किए हैं। यह हुआई का पहला ऐसा ऑपरेटिंग सिस्टम है, जिसमें ओपन-सोर्स एंड्रॉयड कोड का उपयोग नहीं किया गया है।

हारमनीओएस नेक्स्ट को एंड्रॉयड और आईओएस के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है और यह हुआई के इकोसिस्टम को और मजबूत बनाने का वादा करता है।

मेट 70 सीरीज़ में तीन वेरिएंट्स—मेट 70, मेट 70 प्रो और मेट 70 प्रो+ शामिल हैं। मेट 70 की कीमत 5,499 चीनी युआन (लगभग 759 अमेरिकी डॉलर) से शुरू होती है।

जबकि मेट 70 प्रो+ की शुरुआती कीमत 8,499 चीनी युआन (लगभग 1,170 अमेरिकी डॉलर) है। इन स्मार्टफोन्स में उन्नत प्रोसेसर, बेहतर कैमरा फीचर्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित फोटो एडिटिंग टूल्स शामिल हैं।

हुआई ने इन स्मार्टफोन्स के जरिए क्षमताओं को ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रस्तुत किया है। हुआई ने मेट एक्स6 नामक एक फोल्डेबल स्मार्टफोन भी पेश किया, जिसकी कीमत 12,999 चीनी युआन (लगभग 1,700 अमेरिकी डॉलर) है। इस डिवाइस में फोल्डिंग तकनीक और बेहतर स्क्रीन फीचर्स हैं।

हारमनीओएस नेक्सट में ऐप्स के इंटीग्रेशन पर खास ध्यान दिया गया है, ताकि इसका उपयोगकर्ता अनुभव बेहतर बनाया जा सके। 2019 में अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बाद हुआई को गूगल के एंड्रॉयड से बाहर कर दिया गया था, जिसके चलते कंपनी ने अपना ऑपरेटिंग सिस्टम विकसित किया। हारमनीओएस नेक्स्ट अब हुआई के तकनीकी विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

कंपनी ने इस इकोसिस्टम के तहत ऐप डेवलपर्स को जोड़ने के लिए कई कदम उठाए हैं। लांकि मेट 70 सीरीज़ और हारमनीओएस नेक्स्ट मुख्य रूप से चीनी बाजार पर केंद्रित हैं, हुआई ने पुराने डिवाइसों के लिए भी सॉफ़्टवेयर अपग्रेड जारी करने का संकेत दिया है।

न्यूज़ ब्रीफ

दक्षिण कोरिया के केंद्रीय बैंक ने लगातार दूसरे महीने नीतिगत दर घटाई, बैंक ने आगामी वर्षों के लिए भी अर्थव्यवस्था की पुनरावृत्ति में गिरावट का अनुमान लगाया

सियोल। दक्षिण कोरिया के केंद्रीय बैंक ने नवंबर माह में अपनी प्रमुख नीति दर में कटौती की घोषित करते हुए अर्थव्यवस्था के मुक्काम विकास की उम्मीद दर को घटाने की घोषणा की। बैंक ऑफ कोरिया ने दूसरे महीने भी बारीकी से नीतिगत ब्याज दर में चौथाई प्रतिशत की कटौती की और उसे तीन प्रतिशत किया। इस साल के पूर्वानुमानों को कम करते हुए बैंक ने आगामी वर्षों के लिए भी अर्थव्यवस्था की पुनरावृत्ति में गिरावट का अनुमान लगाया। बैंक ने अपने उद्योग के नजरिए से अधिक उधार लेने की लागत में कमी और मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए इस कदम की चेतावनी जारी की। उच्च मुद्रास्फीति और अधिक घरेलू ऋण के परिणाम स्थिति में जोखिम उलझा हुआ है, जो अर्थव्यवस्था को एक नया धक्का पहुंचा सकता है। इस पहल के हिसाब से बैंक ने अक्टूबर में भी नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की थी, परन्तु अब भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बाजार गतिविधियों में वैशिष्ट्य, उद्योग व्यापार संघर्ष और निर्यात के मामले में कोहराम बना रहेगा, जिससे अर्थव्यवस्था के विकास में धीमापन की संभावना है। बैंक ने वही उम्मीद जताई कि भविष्य में घरेलू खपत में वृद्धि हो सकती है, लेकिन विशेष रूप से न केवल निर्यात में, बल्कि प्रमुख उद्योगों में भी प्रतिस्पर्धा और व्यापार नीतियों की मजबूती की आवश्यकता है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज क्यूआईपी से 6,000 करोड़ की राशि जुटा लेगी, आवासीय भूखंडों और अपार्टमेंट कारोबार का विस्तार करेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने क्यूआईपी के माध्यम से संस्थागत निवेशकों से 6,000 करोड़ रुपये की राशि जुटाने का एलान किया है। यह कम्पनी का उद्देश्य है आवासीय भूखंडों और अपार्टमेंट कारोबार का विस्तार करना। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए क्यूआईपी स्कीम पेश की है। इस मुद्दे पर बाजार सूत्रों की मानें तो गोदरेज प्रॉपर्टीज को इस दिशा में मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया जाहिर की गई है और कंपनी भविष्य में भी मजबूती बनाए रखने के लिए 6,000 करोड़ रुपये की राशि जुटा रही है। इस संपूर्ण राशि की गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अनुमानित मूल्य 2,727.44 रुपये प्रति शेयर पर निश्चित की है। कंपनी देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर है और इसकी मुख्य उपस्थिति दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुंबई महानगर क्षेत्र, पुणे और बेंगलुरु में है। हाल ही में कंपनी ने हैदराबाद बाजार में भी कदम रखा है। गोदरेज प्रॉपर्टीज की इस स्कीम से संस्थागत निवेशकों को नए अवसरों का लाभ उठाने का मौका मिलेगा, जिससे कंपनी के व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

सरस आजीविका मेला ने व्यापार मेले में 26 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, आठ करोड़ रुपये का कारोबार किया

नई दिल्ली। ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों ने बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी वाले सरस आजीविका मेला-2024 ने भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईटीटीएफ) में रिकॉर्ड तोड़ा। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने इसकी प्रमुखता दी। ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं और राज्य समन्वयकों ने इस मेले में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मान प्राप्त किया। भारत सरकार द्वारा आयोजित 43वें व्यापार मेले में सरस मेले ने आठ करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया, जिससे पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। पंचायती राज मंत्रालय के मंडप का विषय पंचायत विकसित भारत 2047 था और यहां ग्रामीण भारत में जारी डिजिटल परिवर्तन का अवलोकन किया गया। यह मेला सशक्त बनाने के लिए कांस्य पदक से सम्मानित था, जो भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा आयोजित व्यापार मेले के दौरान बहुत उपयोगी साबित हुआ।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

चुनिंदा टेक शेयरों में आई गिरावट की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,998.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 112.52 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,061.78 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

डाउ जॉन्स फ्यूचर्स 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 44,770.29 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। हालांकि आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के कारण यूरोपीय बाजार मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,274.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,143.03 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,261.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 237.48 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ 38,372.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,715.44 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.05 प्रतिशत उछल कर 2,504.43 अंक तक पहुंच गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,274 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स से 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,243.88 के स्तर तक गिर गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल ये सूचकांक 262.76 अंक यानी 1.34 प्रतिशत लुढ़क कर 19,340.37 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.25 प्रतिशत लुढ़क कर 1,426.88 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,223.06 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,299.87 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ लगाने की फिराक में कनाडा

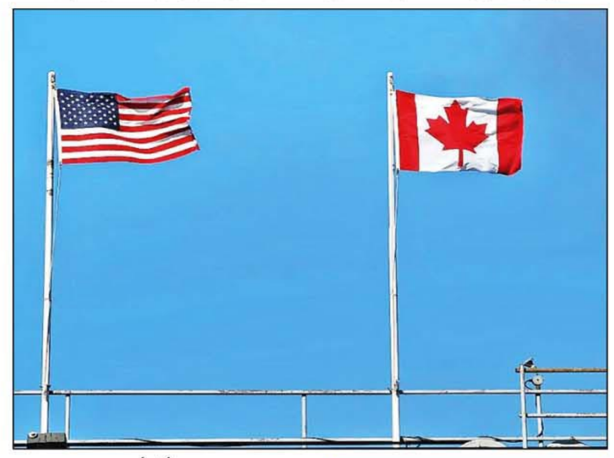

टोरंटो

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कनाडा को धमकी दी है कि अगर कनाडा कमर्शियल उत्पादों पर टैरिफ कम नहीं करता, तो उसे भी टैरिफ लगाएगा। इसके जवाब में, कनाडा ने संभावित जवाबी टैरिफ की योजना करने की घोषणा की है। एक कनाडाई अधिकारी ने दावा किया कि अगर ट्रंप अपनी धमकी का अमल करते हैं, तो कनाडा अमेरिका से आने वाली कुछ वस्तुओं पर टैरिफ लगा सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी धमकी में कहा कि अगर कनाडा और मेक्सिको नशे और प्रवासियों की अवैध तस्करी को नहीं रोकते, तो उन्हें भी उनके उत्पादों पर टैरिफ लगाना पड़ेगा। हालांकि, ट्रंप ने बाद में मीडिया सोशल पर आधिकारिक बातचीत के बाद मेक्सिकन राष्ट्रपति के साथ अवैध प्रवास को रोकने के लिए सहमति व्यक्त की। कनाडा में एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि उनका देश हर संभावित स्थिति के

अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ वार्ता एक नई मोड़ की और दिशा देगी

लिए तैयार है और उन्होंने बताया कि कनाडा कौन-कौन से उत्पादों पर टैरिफ लगा सकता है, लेकिन उन्होंने अपने नाम न बताकर इस बात की पुष्टि की। यह सम्भावना है कि इस कार्रवाही से ट्रंप की टैरिफ लगाने की योजनाओं पर असर पड़ेगा। यह विवाद एक कार्यात्मक कदम हो सकता है जिस पर सभी देशों के बीच अनुबंध है। पिछले वर्ष, ट्रंप ने कई उत्पादों पर उच्च टैरिफ लगाए थे, जिसका प्रतिशोध अन्य देशों ने अपने टैरिफ कम करके दिया था। सारांश में अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ वार्ता एक नयी मोड़ की और दिशा देने वाली है, इसका असर ग्लोबल व्यापार पर पड़ेगा।

बोलीविया में ईंधन की कमी की समस्या का सामना कर रहे लोग

एल आल्टो

बोलीविया में ईंधन तेजी से सबसे दुर्लभ वस्तुओं में से एक बनता जा रहा है। दक्षिण अमेरिका में प्राकृतिक गैस के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक बोलिविया में पेट्रोल पंपों के बाहर कई किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती हैं। कुछ चालक अब अपने कतारों में खड़े ट्रकों के पास ही खाने-पीने और सोने के लिए जा रहे हैं। इन लोगों की निराशा बढ़ती जा रही है, क्योंकि ईंधन की कमी के कारण जीवन और

ईंधन की कमी के कारण जीवन और व्यवसाय में बढ़ रही हैं दिक्कतें

व्यवसाय में दिक्कतें बढ़ रही हैं। बोलीविया के राष्ट्रपति लुइस आर्से ने सरकार के द्वारा ईंधन की कमी को दूर करने के लिए कई उपाय अपनाए हैं, लेकिन समस्या का हल अभी तक नहीं निकल पाया है। लोगों का कहना है कि सरकार को समस्या को स्वीकार करने के साथ ही इसे हल करने के लिए कार्रवाई करनी चाहिए।

भारतीय स्टेट बैंक की रेकरिंग डिपाजिट स्कीम में अच्छे रिटर्न की उम्मीद, मात्र 100 रुपए से शुरू कर सकते हैं निवेश

मुंबई

वर्तमान समय में लोग विभिन्न निवेश विकल्पों की खोज में हैं जो उन्हें सुरक्षितता और अच्छे रिटर्न की सुनिश्चित करें। भारतीय स्टेट बैंक ने एक ऐसी महत्वपूर्ण योजना शुरू की है, जिसे आरडी स्कीम कहा जाता है और उसमें निवेश करने पर विशेष ब्याज दर के साथ सुरक्षितता मिलती है। एसबीआई की रेकरिंग डिपाजिट स्कीम में निवेश करने पर निवेशकों को सुरक्षित और साथ ही तगड़ा रिटर्न मिलता है। इस स्कीम में ग्राहक अपनी सुविधा के हिसाब से निवेश की अवधि चुन सकते हैं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी अतिरिक्त ब्याज की ऑफर है। यह बचत योजना ग्राहकों को नियमित रूप से छोटी राशि जमा करने की संभावना देती है, जिससे एक बड़ा फंड जमा किया जा सकता है। उसके पश्चात निर्धारित अवधि के साथ ब्याज सहित राशि वापस मिलती है। वर्तमान में एसबीआई रेकरिंग डिपाजिट स्कीम में जमा करने पर 4.0 से 6.5 फीसदी तक का ब्याज मिलता है। समय-समय पर

बैंक की और से दी जाने वाली ब्याज दरें बदलती रहती हैं, जिससे निवेशकों को लाभ हो सकता है। इसलिए अगर आप भविष्य को सुरक्षित और अच्छे रिटर्न के साथ बनाना चाहते हैं, तो एसबीआई की रेकरिंग डिपाजिट स्कीम में निवेश की सोच सकते हैं। यह एक विश्वसनीय विकल्प हो सकता है जो आपके लिए एक सुरक्षित भविष्य की गारंटी प्रदान कर सकता है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

लगातार दो दिनों की बड़ी गिरावट के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी का रुख है। देश के अलग-अलग सर्राफा बाजारों में सोने की कीमत में 250 रुपये से लेकर 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,660 रुपये से लेकर 77,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,200 रुपये से लेकर 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 89,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,050 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,560 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी तेजी आने के कारण सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 70,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आदर्श ने की शानदार बल्लेबाजी, ग्लोबल स्टार्स ने जीता मैच

लखनऊ

बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डिवीजन में ग्लोबल स्टार्स ने केवाई स्पोर्ट्स क्लब को हरा दिया। इस मैच में आदर्श यादव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 76 रन बनाये। वहीं दूसरे मैच में आर्यावर्त ने ब्लेज विलो को छह विकेट से मात दे दी।

केवाई स्पोर्ट्स क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 203 रन बनाये। अपनी टीम में सबसे अधिक जितेन्द्र गौतम ने 61 रन का योगदान दिया। वहीं आलोक सिंह ने 25 रन बनाये, जबकि सलामी बल्लेबाज आदर्श यादव ने 22 रन का योगदान दिया। ग्लोबल स्टार्स ने तीन विकेट खोकर 204 रन बना लिये और मैच को सात विकेट से जीत लिया। सलामी बल्लेबाज अमर चंद्रा ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 11 चौकों की मदद से 41 बाल पर 59 रन बनाये। वहीं आदर्श ने अपनी टीम में सर्वाधिक चार चौकों और चार छक्के की मदद से 77 बाल पर 76 रन बनाये। वहीं दूसरे मैच में ब्लेज विलो ने पहल बल्लेबाजी करते हुए 206 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज आर्यमन पांडेय ने 15 रन का योगदान दिया। वहीं वात्सल्य ने अपनी टीम में सर्वाधिक 66 रन बनाये। आर्यन ने 44 रन का योगदान दिया। वहीं आर्यावर्त क्रिकेट एकेडमी ने चार विकेट खोकर 208 रन बना लिएऔर मैच को छह विकेट से जीत लिया। मनोज पटेल ने अपनी टीम में सर्वाधिक 46 रन बनाये।

रोनाल्डो, मेसी के 100 गोल वाले क्लब में शामिल हुए लेवांडोव्स्की

रोम । पोलैंड के पेशेवर फुटबॉलर रॉबर्ट लेवांडोव्स्की चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में 100 गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले ये उपलब्धि केवल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के नाम थी। लेवांडोव्स्की ने ब्रेस्ट के खिलाफ बार्सिलोना की 3-0 से जीत के दौरान ही चैंपियंस लीग में अपने 100वां गोल पूरे किये। इस स्टार स्ट्राइकर ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में प्रतियोगिता में अपना 101वां गोल दागा। चैंपियंस लीग में सबसे अधिक 140 गोल रोनाल्डो के नाम हैं जबकि मेसी के नाम 129 गोल दर्ज हैं। लेवांडोव्स्की ने 100 गोल करने पर कहा, 'यह बहुत अच्छी संख्या है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं चैंपियंस लीग में इतने गोल कर पाऊंगा। मैं क्रिस्टियानो और मेसी के क्लब में शामिल होकर उत्साहित हूं। लेवांडोव्स्की चैंपियंस लीग में अपने 125वें मैच में यहां तक पहुंचे हैं। वहीं मेसी ने 123 और रोनाल्डो ने 137 मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी। बार्सिलोना की टीम इस जीत के साथ ही लीग में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है।

न्यूज ब्रीफ

आईएलटी 20 क्रिकेट लीग 11 जनवरी से शुरु होगा

दुबई। आईएलटी 20 क्रिकेट लीग के तीसरे सत्र का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। इसमें पहला मुकाबला गत चैंपियन एमआई अमीरात और दुबई कैपिटल्स के बीच 11 जनवरी को होगा। इस टूर्नामेंट में दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में पंद्रह मैच खेले जाएंगे जबकि अबू धाबी में 11 मैच होंगे। शेष आठ मैचों का आयोजन प्रतिष्ठित शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा। एक महीने तक चलने वाले टूर्नामेंट में कुल 34 मैच खेले जाएंगे। इसका फाइनल 9 फरवरी को दुबई में खेला जाएगा। आईएलटी20 में छह फ्रेंचाइजी टीम एमआई अमीरात, दुबई कैपिटल्स, अबू धाबी नाइट राइडर्स, डेजर्ट वाइपर, गल्फ जाइंट्स और शारजाह वारियर्स भाग लेंगी। आंद्रे रसेल, सुनील नारायण (अबू धाबी नाइट राइडर्स), डेविड वार्नर, निकोलस पूरन, जेसन रॉय, लॉकी फर्ग्यूसन जैसे विश्व के शीर्ष क्रिकेटर इस प्रतियोगिता में शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष कोए

नई दिल्ली। विश्व एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने अपने भारत दौरे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और 2036 ओलंपिक खेलों की मेज़बानी की दावेदारी पर खुशी जतायी है। गौरतलब है कि पिछले साल नवंबर में, 141वें अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) सत्र के दौरान मोदी ने कहा था कि भारत 2036 ओलंपिक की मेज़बानी के लिए पूरी तरह तैयार होगा और इसके सफल आयोजन के लिए कोई कमी नहीं छोड़ेगा। कोए ने कहा, मुझे खुशी है कि भारत जैसे देश, जिसमें जुनून, प्रतिबद्धता और क्षमता है, ओलंपिक खेलों की मेजबानी में रुचि दिखा रहे हैं जबकि ओलंपिक के लिए बोली लगाना आसान नहीं होता, यह एक कठिन और प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया है। कोए ने प्रधानमंत्री मोदी से अपनी मुलाकात के दौरान भारत से अपने संबंधों के बारे में भी खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उनके दादा भारतीय थे, जिनका जन्म पंजाब में हुआ था और वह ज़्यादातर समय दिल्ली में रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि उनके परिवार का दिल्ली में एक होटल था और उनके दादा खेलों के महत्व को अच्छी तरह समझते थे।

पंड्या की सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में आक्रामक बल्लेबाजी, एक ही ओवर में 29 रन बनाकर बड़ौदा को जीत दिलायी

नई दिल्ली । आठ साल बाद सैयद मुश्ताक अली घरेल क्रिकेट टूर्नामेंट खेलते हुए ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का शानदार प्रदर्शन जारी है। बड़ौदा की ओर से खेलते हुए पंड्या ने तमिलनाडु के खिलाफ मैच में एक ओवर में 29 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। पंड्या ने ये रन तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह के एक ही ओवर में बना दिये। उन्होंने इस ओवर में 4 छक्के और एक चौका लगाया। गुरजपनीत को हाल ही में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने आईपीएल 2025 सत्र के लिए हुई नीलामी में 2.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। पंड्या के 30 गेंद में 69 रनों की सहायता से बड़ौदा ने तमिलनाडु को अंतिम गेंद पर 3 विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। तमिलनाडु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एन जगदीशन के अर्धशतक से 6 विकेट पर 221 रन बनाए थ। वहीं विजय शंकर ने 22 गेंद में 42 रन बनाये।

विरोध प्रदर्शनों से पाकिस्तान की चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी खतरे में पड़ी

लाहौर। पाकिस्तान में जारी विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए अब उसकी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी खतरे में पड़ती नजर आ रही है। जिस प्रकार से राजनीतिक हालात खराब हो रहे हैं और हिंसा बढ़ रही है। उसी को देखते हुए श्रीलंकाई ए टीम को अपना दौर रद्द कर बीच में ही स्वदेश लौटना पड़ा है। इसके बाद से ही ये सवाल उठने लगे हैं कि ऐसे हालातों में चैंपियंस ट्रॉफी कैसे खेली ज सकेगी। ये सब घटनाक्रम अब शुक्रवार को होने वाली आईसीसी बोर्ड की बैठक में भी उठेगा। इसी बैठक में 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम पर फैसला होगा। ऐसे में राजनीतिक अराजकता और हिंसा से पाक क्रिकेट बोर्ड की दावेदारी कमजोर पड़ेगी। कुछ और प्रतिभागी देशों के भी सुरक्षा चिंता व्यक्त किए जाने के कारण, इस आयोजन को पाक से बाहर ले जाने की आशंका बढ़ गयी है।

आईपीएल नियमों के कारण धोनी और ऋषभ की कमाई में आया भारी अंतर

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी से जहां कई खिलाड़ी रातो रात करोड़पति बन गये। वहीं कई की कीमतें घटी हैं। लीग के नये रिटेंशन नियमों से भी कई खिलाड़ियों को नुकसान हुआ है। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को आईपीएल के पहले सीजन में जितने पैसे मिले थे। उससे कहीं कम इस बार मिले हैं। धोनी अपनी ही टीम में कीमत के मामले में नौवें नंबर पर आ गये हैं। वहीं अगर धोनी की तुलना 2025 के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत से की जाती है तो जितनी धोनी की साल भर की कमाई है उतनी ऋषभ की दो मैचों की कमाई है।

नीलामी में ऋषभ पंत पर सबसे बड़ी बोली लगी और उन्हें लखनऊ पर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा। वहीं धोनी को चेन्नई सुपरकिंग्स ने 4 करोड़ रुपए में रीटेन किया है। सीएसके ने आईपीएल के लिए 5 खिलाड़ी रीटेन किए, जिसमें सबसे कम पैसे धोनी को ही मिले हैं। इसका कारण आईपीएल का नया नियम है जिसमें धोनी को अनकैप्ड प्लेयर के तौर पर रीटेन किया जाना था और इसमें 4 करोड़ से अधिक नहीं दिये जा सकते। आईपीएल 2025 से पहले अनकैप्ड प्लेयर को लेकर कुछ नियम बदले थे, जिसमें 5 साल पहले संन्यास ले चुके क्रिकेटर को अनकैप्ड मानने पर सहमति बनी थी। इसी कारण ऋतुराज गायकवाड़, रवींद्र जडेजा, मथीशा पथिराणा और शिवम दुबे जैसे नये खिलाड़ियों को भी धोनी से ज्यादा पैसे देकर रीटेन किया गया है।

वहीं सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ और धोनी की कमाई में अंतर देखा जाये तो ऋषभ की टीम यदि फाइनल खेलती है तो वह पूरे सीजन में 16 या 17 मैच खेलेगी. अगर हम इसे 17 मैच मान लें कि पंत को एक मैच के औसतन 1.80 करोड़ रुपए मिलेंगे। इसी तरह अगर चेन्नई सुपरकिंग्स फाइनल में पहुंचे और धोनी 17 मुकाबलों में उतरें तो उनकी प्रति मैच कमाई 23.52 लाख रह जाएगी। धोनी और पंत की इस कमाई में मैच फीस शामिल नहीं है। आईपीएल में पहले मैच फीस नहीं मिलती थी। साल 2025 से अब खिलाड़ियों को मैच फीस भी मिलेगी. इसी तरह यदि सीएसके नॉकआउट राउंड में पहुंचने में नाकाम रहे और धोनी ग्रुप स्टेज के सारे मुकाबले खेलें तो उनकी प्रति मैच फीस 28.57 लाख रुपए रहेगी। अगर लखनऊ नॉकआउट राउंड से बाहर हो जाए और पंत सारे ग्रुप मैच खेलें तो उनकी प्रति मैच फीस 1.92 करोड़ रुपए रहेगी। यदि लखनऊ सुपर जायंट्स नॉकआउट राउंड से पहले ही बाहर हो जाती है तो ऋषभ को दो मैच में औसतन 3.84 करोड़ रुपए मिलेंगे। यह धोनी के पूरे साल के वेतन से थोड़े ही कम होंगे।

बजरंग पूनिया ने सरकार पर बदले की कार्रवाई का आरोप लगाया

नई दिल्ली

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने खेलों से चार साल के लिए निलंबित किये जाने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि सरकार बदले की कार्रवाई कर रही है और अगर वह भाजपा में जाते हैं तो ये निलंबन हटा लिया जाएगा। इससे पहले बजरंग को जांच के लिए नमूना देने से मना करने के कारण चार साल के लिए निलंबित कर दिया गया था। वहीं नाडा ने कहा कि बजरंग ने 10 मार्च को राष्ट्रीय टीम के लिए चयन ट्रायल के दौरान नमूना देने से इनकार करके नियमों का उल्लंघन किया। डोपिंग रोधी संस्था ने सबसे पहले इस पहलवान को 23 अप्रैल को इस उल्लघंन के लिए निलंबित किया था। जिसके बाद खेल की विश्व संचालन संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भी उन्हें निलंबित कर दिया था। बजरंग ने कहा, 'यह हैरानी की बात नहीं है क्योंकि ट्रायल का यह मामला पिछले एक साल से चल रहा है। मैंने पहले भी कहा है कि मैंने नाडा को नमूना देने से इनकार नहीं किया है। जब वे डोप जांच के लिए मेरे घर आए थे तो वे एक 'एक्सपायरी किट लेकर आए थे। मैंने इसे सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया है। पूनिया और उनकी साथी पहलवान ओलंपियन विनेश फोगाट इस साल के शुरु में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे। बजरंग ने अपने बचाव में कहा, 'आप किसी भी खिलाड़ी को 'एक्सपायरी किट नहीं दे सकते। जहां तक ??मेरा सवाल है तो मेरी टीम वहां थी इसलिए उन्होंने यह देख लिया। वे 'एक्सपायरी किट लेकर आए थे। मैंने मूत्र का नमूना दिया था लेकिन फिर मेरी टीम ने किट की जांच की और पाया कि यह 'एक्सपायर (तारीख खत्म होना) हो चुकी थी। इसलिए हमने किट का वीडियो बनाया और हमने नाडा को मेल किया। लेकिन उन्होंने अपनी गलती स्वीकार नहीं की।

इस पहलवान ने कहा कि सरकार भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ लंबे समय से चल रहे धरने में शामिल होने के कारण उनसे बदला लेना चाहती है। उन्होंने कहा, 'मुझे यह भी लगता है कि महिला पहलवानों के समर्थन में हमारे विरोध प्रदर्शन के कारण वे बदला लेने की कोशिश कर रहे हैं ।

अंशकालिक खेल प्रशिक्षकों के रिक्त पदों पर आनलाइन आवेदन 26 नवम्बर से 2 दिसम्बर तक

जौनपुर

उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभिन्न खेलों- एथलेटिक्स, तीरन्दाजी, नेटबाल, टेबुल-टेनिस, तलवारबाजी, जिम्नास्टिक, बैडमिन्टन, ताइक्वाण्डो, वुशू, तैराकी, लॉन टेनिस, बास्केटबाल, वॉलीबाल, भारोत्तोलन, हॉकी, जूडो, बाक्सिंग, क्रिकेट, खो-खो, कबड्डी, स्क्वैश, शूटिंग, कुश्ती, साफ्ट टेनिस, क्याकिंग एण्ड केनोइंग, रोइंग, कराटे खेलों में अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों के 107 रिक्तों पदों को जेम पोर्टल के माध्यम से सेवा प्रदाता फर्म के माध्यम से भरकर चयन सम्बन्धी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है।

इस संबंध में गुरुवार को हिन्दुस्थान समाचार से बात करते हुए जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. अतुल कुमार सिन्हा ने बताया कि पूरे प्रदेश में लगभग 450 पद रिक्त थे जिन्हें सेवा प्रदाता एजेंसी के माध्यम से भरा जा रहा है। सभी जनपदों से आवेदन पत्र भरने को कहा गया है। अभी लगभग 107 पद खाली हैं। उसे भरने की प्रक्रिया चल रही है। ये प्रक्रिया लगातार चलती रहती है क्योंकि यह पद संविदा पर होते हैं। लोग सरकारी नौकरी मिलने के बाद छोड़कर चले जाते हैं। ऐसे में दोबारा उसी पद पर लोगों की नियुक्ति की जाती है। यह प्रक्रिया पूरे प्रदेश में लगातार चलती रहती है। उक्त 27 खेलों में अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों हेतु आवेदन करने की तिथि बढ़ायी गयी है। आवेदन करने के लिए रिक्तियां पोर्टल पर 26 नवम्बर से प्रदर्शित हो रही है तथा पोर्टल पर आवेदन करने की अन्तिम तिथि 2 दिसम्बर है। पात्र अभ्यर्थी जो उक्त पदों पर कार्य करने के इच्छुक हैं वे अविलम्ब अपना आवेदन आनलाइन पोर्टल पर भर लें ताकि चयन प्रक्रिया के दौरान उनको सम्बन्धित फर्म द्वारा निर्धारित तिथि पर बुलाया जा सके।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए अनकैप्ड ऑलराउंडर की ऑस्ट्रेलियाई टीम में एंट्री

कैनबरा

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट के लिए टीम में अनकैप्ड ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को शामिल किया है। वेबस्टर को फिटनेस से जूझ रहे मिचेल मार्श के कवर के रूप में शामिल किया है। मार्श की तरह वेबस्टर भी तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं।

पर्थ में ऑस्ट्रेलिया की 295 रन से हार के बाद मार्श की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। हालांकि कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने संकेत दिया था कि वे एडिलेड में 13 सदस्यीय टीम के साथ ही जाएंगे, लेकिन खिलाड़ी की फिटनेस की चिंता को लेकर वेबस्टर को टीम में शामिल किया गया है। 30 वर्षीय खिलाड़ी वेबस्टर का पिछले 18 महीनों में शेफील्ड शील्ड में शानदार प्रदर्शन रहा है। इसके अलावा हाल ही में इंडिया-ए के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट सीरीज में भी अच्छा प्रदर्शन किया था।

वेबस्टर ने कहा कि मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ (ऑस्ट्रेलिया ए के लिए) कुछ रन और विकेट हासिल करना सुखद रहा। ए टीम के लिए खेलना टेस्ट से एक कदम नीचे है इसलिए यह आपको अच्छा महसूस कराता है। एनएसडब्ल्यू (न्यू साउथ वेल्स) खेल के अंत में %बेल्स% (चयन अध्यक्ष जॉर्ज बेली) से कॉल प्राप्त करना वास्तव में गर्व का क्षण था और मैं टीम में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। उल्लेखनीय है कि पहला टेस्ट मैच जीतकर भारतीय टीम ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। दूसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम: पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

मीराबाई विश्व चैंपियनशिप से बाहर रहेगी, ज्ञानेश्वरी करेंगी भारतीय दल का नेतृत्व

नई दिल्ली

मीराबाई चानू अगले सप्ताह 6 दिसंबसर से बहरीन के मनामा में होने वाली भारोत्तोलन विश्व चैंपियनशिप में भाग नहीं लेंगी। चानू ने कहा है कि उन्होंने ये फैसला अपना 'रिहैबिलिटेशन जारी रखने के लिए लिया है। चानू ने अगस्त में पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 49 किग्रा श्रेणी में चौथे स्थान पर रहने के बाद से किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है। मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने कहा, 'पेरिस ओलंपिक के बाद से ही मीरा अभी भी रिहैबिलिटेशन में हैं। वह इस विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेगी ।कोच के अनुसार चानू के नहीं रहने से राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव छह दिसंबर से शुरू होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगी। पिछले साल एशियाई खेलों में चोट लगने के बाद से ही मीराबाई की फिटनेस को लेकर पेरिस ओलंपिक के दौरान भी चर्चा होती रही। एशियाई खेलों में पदक जीतने का

उनका सपना पिछले साल टूट गया था क्योंकि वह सिर्फ यही ट्रॉफी नहीं जीत पाई हैं। कोच ने कहा, ' चानू के लिए स्वस्थ होना अहम है क्योंकि हमें 2026 राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों की तैयारी शुरू करनी होगी। चानू के नहीं रहने से

राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव छह दिसंबर से शुरू होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगी। ज्ञानेश्वरी 49 किलो वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

विलियम्सन की शानदार वापसी पर 33 वां शतक पूरा नहीं कर पाये

क्राइस्टचर्च । न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियम्सन ने चोट से उबरकर टेस्ट क्रिकेट में अच्छी वापसी करते हुए. इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले टेस्ट मैच में 93 रन बनाये पर वह अपना 33 वां शतक पूरा नहीं कर पाये। इस मैच में दबाव के बीच ही विलयम्सन ने अच्छी बल्लेबाजी की। वह तेज गेंदबाज गट एटकिंसन का शिकार बने। विलियम्सन की पारी से उनकी टीम अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। ये साल 2018 के बाद पहला मौका है जब विलियम्स टेस्ट में नर्वस नाइंटीज का शिकार बने। इससे पहले वह पिछली पारियों में 90 रनों से ऊपर पहुंचने के बाद शतक लगाने में सफल रहे थे। विलियम्सन ने 197 गेंदों में 93 रन बनाए जिसमें 10 चौके शामिल थे। इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की पर विलियम्सन की अच्छी पारी से मेजबान टीम पांच विकेट पर 225 रन बनाने में सफल रही। वं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट ने इस मैच में उतरते ही अपना 150वां टेस्ट मैच खेला। रूट 150 टेस्ट खेलने वाले इंग्लैंड के चौथे बल्लेबाज हैं! इससे पहले इंग्लैंड की ओर से जेम्स एंडरसन ने 188 जबकि स्टुअर्ट ब्रॉड ने 167 टेस्ट खेले हैं। विलियम्सन इस बार आईपीएल नीलामी में नहीं बिके। वहीं पिछले साल वह गुजरात टाइटंस की टीम में थे पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। माना जा रहा है कि इसी कारण उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला।

इस सीजन के रग्ज...

अपने घर के लिए इस सीजन में रग्ज खरीदने से पूर्व उसके फाइबर, रंगों के बारे में अच्छी तरह जांच-परख लें। खासकर बरसात के मौसम में चटख रंग न खरीदें। अपने कमरे के फर्श को रग्ज से सजाने से पहले कमरे का साइज और डाइमेंशन पर गौर करें कि कहां-कहां रग्ज थोड़ा और कहां इसका फैलाव ज्यादा आएगा। जैसे दरवाजों के पास रग्ज को थोड़ा काटना पड़ सकता है। अगर आप अपने कमरे को रग्ज से कवर करना चाहते हैं तो यह आपके कमरे की दीवार से दो फीट छोटा होना चाहिए। कई वाल टू वाल रग्ज लगाना भी पसंद करते हैं। रग्ज सुंदर दिखे यह इस बात पर निर्भर करता है कि इसकी बुनावट किस तरह की गई है? इसकी फिनिशिंग कैसी है? सवाल यह नहीं कि जो भी रग्ज आप खरीदने जा रहे हैं, वह कितना महंगा है? और वह सबसे बढ़िया है कि नहीं? सवाल यह है कि रग्ज वही बढ़िया है, जो आपके घर में सजता है। प्लांट बेस्ड फाइबर जैसे जूट, हेम्प आदि ऐसे रग्ज हैं जो किसी भी स्पेस में आसानी से फिट हो सकते हैं। ये अलग-अलग स्टाइल में मौजूद हैं और आपके घर के डेकोर के साथ आसानी से मैच कर सकते हैं। नेचुरल फेब्रिक सदाबहार हैं। इन्हें पारम्परिक, आधुनिक या फिर ग्रामीण परिवेश वाले घर और बीच हाऊस में सजाया जा सकता है। इनका जमीनी टेक्सचर काफी आकर्षक है। ये रग्ज सुनहरी तथा सिल्की शाइन में भी होते हैं। लोककला आधारित फेब्रिक तथा फ्लोरल आर्ट के साथ-साथ ट्रॉपिकल लैंडस्केप हमें इन गर्मियों में भी कूल-कूल अहसास देती है।

मच्छरों को भगाने वाला टीवी...

टीवी घर में मनोरंजन का सबसे अच्छा साधन है और अगर यह टीवी आपके मनोरंजन के साथ-साथ मच्छरों की समस्या से भी निजात दी लाए तो फिर क्या कहने। जी हां, अब आपको मच्छर भागने के लिए किसी मॉस्किटो कोल नहीं बस टीवी ऑन कीजिए और मच्छर दूर भाग जाएंगे। एलजी ने एक ऐसा ही टीवी लॉन्च किया है जो मनोरंजन के साथ-साथ मच्छर दूर करने का भी काम करता है। मॉस्किटो अवे टीवीकी शुरुआती कीमत भारतीय बाजार में 26,900 रुपए तय की है जो 47,500 रुपए तक है। एलजी मॉस्किटो अवे टीवी भारतीय ग्राहकों को ध्यान में रखकर विकसित गया है। इसमें अल्ट्रा सोनिक डिवाइस का इस्तेमाल किया गया है जो एक बार एक्टिवेट होने के बाद मच्छरों को दूर भागाने का काम करती है। इसमें साउंड वेब्ज तकनीक के जरिए यह बिना किसी हानिकारक रेडिएशन के मच्छरों को दूर करती है। कंपनी का दावा है कि यह तकनीक वैश्विक संगठनों के नियमों के अनुरूप है। इसकी जांच भारत के अंतरराष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी एवं विषज्ञान संस्थान में भी की गई है। इस मच्छर भगाने वाली तकनीक का इस्तेमाल करने के लिए टीवी को हमेशा चालू रखने की भी जरूरत नहीं है।

चेहरे और शरीर का ध्यान रखें...

आमतौर पर लड़के अपने चेहरे और शरीर के रखरखाव को लेकर ज्यादा सतर्क नहीं होते हैं, लेकिन आज के समय में लोगों का चेहरा भी उन्हें सफलता दिलाने का काम करता है। ऐसे में युवाओं को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। चेहरे पर साबुन लगाने से नमी चली जाती है। फेशवॉश का इस्तेमाल करें। अगर आपके चेहरे पर मुंहासें है तो उनका उपचार करें। उन्हें फोड़ें नहीं और न ही उन पर साबुन लगाएं। कोई एंटीसेप्टिक क्रीम लगा सकते हैं। क्लीन शेव लड़के हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। लेकिन कई लड़कों को दाढ़ी रखना पसंद होता है चाहे बाल हो या नहीं। ऐसे में चेहरे पर कुछ जगह दाढ़ी और कुछ जगह खाली हिस्सा, बिल्कुल भी अच्छा नहीं दिखता है। दाढ़ी के साथ एक्सपेरिमेंट न करें और हमेशा क्लीन शेव बने रहें। साथ ही जब शेव करें तो गर्दन के बाल भी ट्रिम कर लें। ये शर्ट पहनने पर बहुत भद्दे दिखते है। युवाओं की नाक के बाल बहुत ज्यादा बढ़ते हैं। ऐसे में नाक के बाल काट लें। इससे सामने वाले को आप से घिन नहीं आएगी। इसके अलावा कई युवाओं को पीठ में छोटे-छोटे पस भरे दाने होते हैं, इनका उपचार करें। सही साबुन का इस्तेमाल करें और जरूरत पड़ने पर डर्मेटोलॉजिस्ट से सम्पर्क करें।

तेजी से कैसे बढ़ाएं दाढ़ी...?

कुछ ऐसे तरीके हैं, जिसे अपनाकर आप दाढ़ी की वृद्धि दर को थोड़ा बढ़ा सकते हैं। इसके लिए आपको इसकी ठीक ढंग से देखभाल करनी होगी। त्वचा के लिए तैयार कोई अच्छा एक्सफोलिएट मास्क भी ट्राइ करें। इससे दाढ़ी के बालों को उगने में मदद मिलेगी। धैर्य रखें और अपनी दाढ़ी को बढ़ने और विकसित होने दें। विकसित हेने के बाद खाली जगह अपने आप ही भरने लगेंगी। प्रोटीन शरीर को ऐसे पौष्टिक तत्व उपलब्ध कराता है जो ज्यादा बालों को उगाता है और सोना इसलिए जरूरी है क्योंकि इसी समय पौष्टिक तत्व अपना काम करता है। कैस्टर के तेल को एक बेहतरीन कंडीशनिंग ट्रीटमेंट माना जाता है, जो बालों को बढ़ाने के साथ-साथ आपकी दाढ़ी को सही दिशा में आगे बढ़ाएगा। विटामिन बी1, बी6 और बी12 भी बालों को जल्दी बढ़ाने में मदद करता है।

हिमाचल प्रदेश के उत्तर पूर्व में स्थित किन्नौर जिले को हाल ही में देशभर के प्रथम वायु-प्रदूषण मुक्त जिले का खिताब मिला है। किन्नौर को प्रकृति ने दिल खोलकर सुंदरता नवाजी है। वैसे किन्नौर की जीवनशैली अब रॉयल हो चली है। जिले के हर घर में कम से कम एक गाड़ी जरूर है और किन्नौर के सभी गांवों में अब 80 प्रतिशत तक घर पक्के बन चुके हैं। पहले ये घर मिट्टी, पत्थर व लकड़ी के हुआ करते थे। वायु-प्रदूषण से मुक्त होने के साथ ही किन्नौर कई मामलों में खास है। किन्नौर में और क्या रहस्य हैं यही जानने की कोशिश है यह आलेख।

रुपसियों का देश...

हिमाचल प्रदेश के उत्तर पूर्व में स्थित किन्नौर जिले को हाल ही में देशभर के प्रथम वायु-प्रदूषण मुक्त जिले का खिताब मिला है। किन्नौर की हवा को लेकर रिसर्च में पाया गया कि हिमाचल के इस खूबसूरत जनजातीय जिला में 2.5 माइक्रोन के पीएम यानी पार्टीकुलेट मैटर का स्तर सालाना 3.7 जमा माइनस वन प्रति क्यूबिक मीटर पाया गया।

यह नेशनल एयर क्वालिटी टारगेट से दस फीसदी कम है। दिल्ली की भयावह स्थिति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां यह स्तर 148 जमा माइनस 51 प्रति क्यूबिक मीटर है। यदि हवा साफ हो और तय मानकों के अनुसार हो तो भारत में हर साल 45 हजार लोग दूषित हवा के कारण होने वाली विभिन्न बीमारियों से मरने से बच सकते हैं। दूषित शहरों में लोगों की जीवनी शक्ति भी कम हो जाती है। लेकिन किन्नौर का जीवन खुली किताब है और अनेक रहस्यों को समेटे भी। यहां के रीति-रिवाज आपको चौकाएंगे भी, लुभाएंगे भी। कुदरत भी यहां अपने हर रूप में मौजूद है, सुरम्य भी और खतरनाक भी।

आसमां से ऊंचे हिमशिखर, बर्फीले झरने, गुनगुनाती बलखाती नदियां-ये नजारे नयनाभिराम हैं, लेकिन भारी बर्फबारी के बाद जब यह इलाका कुछ माह के लिए शेष दुनिया से कट-छट जाता है, तब कुदरत के कठोर थपेड़ों का एहसास करवाता है किन्नौर। हमारे पुरातन ग्रंथों में किन्नरी शब्द का संबोधन रूपसी के लिए किया गया है। शायद उसी किन्नर शब्द से ही यह किन्नौर बसा है। यानी रुपसियों का देश लेकिन हालिया वर्षों में किन्नर शब्द का प्रयोग देशभर में ट्रांसजेंडर के लिए किया जाने लगा है जिससे वहां के लोग खासे दुखी हैं। इसे लेकर समय-समय पर उन्होंने सरकार को ज्ञापन भी सौंपे हैं। कुदरत की तरह ही हिमाचल के इस कबाइली इलाके की महिलाओं का सौंदर्य भी नैसर्गिक है यानी ऐसी खूबसूरती जो मेकअप की लीपापोती की मोहताज नहीं। यहां की युवतियविशुद्ध देसी, लेकिन लावण्य से भरपूर ं मेकअप से कोसों दूर हैं।

कुदरत ने जो हुस्न बख्शा है, उसकी चमक बरकरार रखने के लिए उन्हें किसी तरह की लीपापोती की जरुरत नहीं। कच्चे अखरोट की दातुन से चिट्टे-चिट्टे दांत और उसी से होंठों की लाली का देसी मेकअप कोई इनसे सीखे। इन पर अभी तक जमाने का रंग कम ही चढ़ पाया है। हालांकि कई इलाकों में किन्नौरी परिधानों के इतर जीन्स व सलवारें पहने किशोरियां दिख जाती हैं लेकिन अधिकांश पारंपरिक वेशभूषा में ही नजर आती हैं।

विज्ञान की मुहर लगी

अपनी स्वास्थ्यवर्धक जलवायु के लिए दशकों से प्रसिद्ध रहा है किन्नौर लेकिन अब देश का पहला वायु प्रदूषणमुक्त जला घोषित होने के बाद वैज्ञानिक तौर पर भी यहां की जलवायु पर मोहर लग गई है। किन्नौर प्राकृतिक नजारों से न केवल लबरेज है, बल्कि यहां की मनोरम घाटियां और चट्टानें काटकर बनाई गई सड़कें यहां घूमने आने वालों को रोमांच का अनुभव करवाती हैं। यहां के महाभारत काल के अधिकांश देवालय विदेशी पर्यटकों समेत सभी को मंत्रमुग्ध करते हैं। शीत मरुस्थल के रूप में विख्यात किन्नौर अब साल भर लोगों की पहुंच के भीतर रहता है। हालांकि गर्मियों में यहां आना ज्यादा फायदेमंद है, क्योंकि सर्दियों में यहां अधिकांश स्थानों पर तापमान जमाव बिंदू से नीचे रहता है। इसके अलावा बर्फबारी भी अक्सर सर्दियों में किन्नौर का रास्ता रोक देती है। एक ओर यह तिब्बत से सटा है, वहीं दूसरी ओर इसकी सीमाएं लाहौल स्पिति और शिमला को भी छूती हैं। पर्यटन की बयार किन्नौर तक पहुंच चुकी है। सांगला और रिकांगपिओ वैली में अब विश्वस्तरीय होटल बन चुके हैं, जो अक्सर विदेशी सैलानियों से भरे रहते हैं। सांगला घाटी में पिछले कुछ सालों के दौरान होम स्टे ने भी काफी जोर पकड़ा है और लोगों ने अपने घरों को होम स्टे के तहत होटलों में तबदील कर दिया है।

बहु पति विवाह

किन्नौर क्षेत्र की लड़की का विवाह एक ही परिवार के सभी सगे भाइयों से एक साथ किया जाता है। यहां के निवासी इस प्रथा का संबंध पांडवों के अज्ञातवास से जोड़ते हैं। घर की एक ही छत के नीचे रहने वाले परिवार के सभी भाई एक ही युवती से परंपरा के अनुसार शादी करते हैं और विवाहित जीवन जीते हैं। अगर किसी महिला के कई पतियों में से किसी एक की मौत भी हो जाए तो भी महिला को दु:ख नहीं मनाने दिया जाता है। किन्नौर में विवाह की परंपरा भी अजीब ढंग से निभाई जाती है। जब किसी युवती की शादी होती है तो परिवार वाले उस परिवार के लड़कों के बारे में पूरी जानकारी आदि ले लेते हैं। विवाह में सभी भाई दूल्हे के रूप में सम्मलित होते हैं। शादी के बाद निभाई जाने वाली कई परंपराएं और बाद का विवाहित जीवन एक टोपी पर निर्भर करता है। जैसे किसी परिवार में चार भाई है। सभी की विवाह एक ही महिला से हुआ है। अगर कोई भाई अपनी पत्नी के साथ है तो वह कमरे दरबाजे पर अपनी टोपी रख देता है। भाइयों में मान मर्यादा इतनी रहती है कि जब तक टोपी दरवाजे पर रखी है कोई दूसरा भाई उस स्थान पर नहीं जा सकता। जनजातीय जिला किन्नौर में भोटी भाषा प्रचलित है। बोलचाल की भोट भाषा में किन्नौर को खुनु, बुशैहरी और स्थानीय लोग कन्नावर या कनौर कहते हैं। स्थानीय भाषा में लोग अपने को कनौरस या किन्नौरस कहते हैं। तिब्बती लोग किन्नौरों को खुनु-पा कहते हैं और किन्नौरे अपनी भाषा को कनौवरिंगकत कहते हैं। किन्नौर में एक ही किन्नौरी भाषा अथवा कनौवरिंगकत ही नहीं है, बल्कि हर गांव में अलग-अलग बोलियां बोली जाती हैं। फिर भी इस अनेकता को एकता के रूप में बांधने वाली एक किन्नौरी भाषा को पूरे किन्नौर में प्रयोग कर सकते हैं।

महिला होती है मुखिया

यहां पुरुष नहीं बल्कि महिलाएं घर की मुखिया होती हैं। इनका काम होता है पति व संतानों की सही ढंग से देखभाल करना। परिवार की सबसे बड़ी स्त्री को गोयने कहा जाता है। उसके सबसे बडे पति को गोर्तेस, कहते हैं यानी घर का स्वामी। यहां की एक और बात खास होती है वह यह कि यहां खाने के साथ शराब अनिवार्य होती है। यदि पुरुषों का मन दुखी होता है तो यह शराब और तम्बाकू का सेवन करते हैं वहीं जब महिलाओं को किसी बात को लेकर दु:ख होता है तो वह गीत गाती हैं। सर्दी में बर्फबारी की वजह से यहां की महिलाएं और पुरुष घर में ही रहते हैं। बर्फबारी की वजह से कोई काम नहीं रहता है। इन दिनों इन लोगों के पास बस मौज मस्ती में दिन व रात गुजारने होते हैं। महिलाएं सारा दिन पुरुषों के साथ गप्पें मारती हैं। किन्नौर जिले का मुख्याल्य रिकांग पिओ है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों और हरे-भरे पेड़ों से घिरा यह क्षेत्र ऊपरी, मध्य और निचले किन्नौर के भागों में बंटा हुआ है। यहां पहुंचने का मार्ग दुर्गम होने के कारण यह क्षेत्र बहुत लंबे समय तक पर्यटकों से अछूता रहा है, लेकिन अब साहसिक और रोमांचप्रिय पर्यटक यहां बडी संख्या में आने लगे हैं। प्राकृतिक द्श्यावली से भरपूर इस जिले की सीमा तिब्बत से सटी हुई है, जो इसे सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाती है। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला से लगभग 250 किमी. दूर राष्ट्रीय राजमार्ग 22 पर यह नगर स्थित है। पहाड़ों और जंगलों के बीच कलकल ध्वनि से बहती सतलुज और स्पीति नदियों का संगीत यहां की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। स्पीति नदी आगे चलकर खाब में सतलुज से मिल जाती है।

आदर-सत्कार की भावना

यहां के प्राकृतिक सौंदर्य की तरह यहां के लोग भी सुंदर हैं। किन्नर बालाएं फलों से सुसज्जित अपनी परंपरागत टोपियां पहनती हैं। टोपियों के दोनों ओर पीपल पत्र नामक चांदी का एक गहना बना होता है और चांदी के ही एक नक्काशीदार कड़े पर कसा रहता है। अपने शरीर को ये ऊनी कम्बल से साडी की भांति लपेटे रखती हैं। इस ऊनी कम्बल को स्थानीय भाषा में 'दोहडू' कहा जाता है।

किन्नरियों में मेहमानों के आदर-सत्कार की भावना भी बहुत होती है। मेहमानों का स्वागत वे अपने हाथों से शराब पेश करके करती हैं। ऐसा करते समय उन्हें कोई संकोच नहीं होता, क्योंकि शराब को किन्नर समाज में महत्व प्राप्त है, लेकिन ताज्जुब की बात यह भी है कि जहां किन्नरियां शराब को बनाने से लेकर पेश करने तक का कार्य अपने हाथों से करती हैं, वहीं वे स्वयं शराब को मुंह तक नहीं लगातीं। शाल बुनने में तो उनका कोई सानी नहीं है। उनकी बनाई शालों में प्रकृति के विभिन्न रूप परिलक्षित होते हैं। सर्दियों में जब भारी बर्फबारी के कारण किन्नौर का सम्पर्क शेष दुनिया से कट जाता है तो किन्नारियां ऊनी कपडे, कालीन और अन्य चीजें बुनने का काम करती हैं। उनके बनाए ऊनी वस्त्रों में डोहरियां, पट्टू, गुदमा आदि उल्लेखनीय हैं।

जूठी घास नहीं खाता याक

प्राकृतिक नजारों से भरपूर किन्नौर के लोग बड़ी संख्या में भेड़-बकरी पालन का काम करते हैं। यहां तक कि भारतीय प्रशासनिक सेवा तक में कार्यरत अधिकारियों के परिवारों में भी अभी तक भेड़-बकरी पालन की परंपरा जारी है। कन्नौर क्षेत्र में कहीं-कहीं याक पाया जाता है। यह जानवर पालतू व जंगली दोनों तरह का होता है। इसे बहुत पवित्र माना जाता है। इसकी विशेषता यह है कि अन्य अपवित्र पदार्थों की तो बात ही छोड़िए, दूसरे जानवरों द्वारा चरी हुई घास को भी यह जूठा मान कर छोड़ देता है और नई उगी घास ही खाता है। याक में सूंघने की विलक्षण शक्ति ोती है। बर्फ के नीचे छिपे गढ्डों का इसे पता चल जाता है और यह उनसे बच कर ठीक मार्ग बनाता हुआ आगे बढ़ता चलता है। हिमाच्छादित क्षेत्रों में कई जगह गहरे गड्ढ़ों में गिरने से दुर्घटनाएं हो जाती हैं। याक की सूंघने की क्षमता का लाभ मनुष्य को भी मिलता है। इसे नमक बहुत पसंद है। किसी पत्थर पर नमक लगाकर इसके आगे रख दिया जाए तो याक उसे कई घंटों तक चाटता रहता है। वैसे तो यह सीधा-सादा जानवर है, परंतु किसी कारण इसे क्रोध आ जाए तो खैर नहीं। प्राय: किन्नौर के याक का रंग सफेद होता है। दूसरे रंग का याक सुगमता से दिखाई नहीं देता। किन्नौर की वादियों का आकर्षण देश-विदेश से यहां आए सैलानियों के हृदय में ऐसा समा जाता है कि वे यहां की नैसर्गिक सुंदरता तथा धार्मिक आस्था वाले भोले-भाले लोगों से हुई अपनी मुलाकात को लंबे समय तक अपने दिल में संजोए रहते हैं। यही नहीं, हिमालय की रचना के गूढ़ रहस्यों को जानने की चेष्टा करते हुए जिज्ञासु पर्यटक बार-बार यहां आने की इच्छा मन में संजोए रहते हैं।

अंधेरे में इस्तेमाल न करें स्मार्टफोन...

आप भी उन लोगों में जरूर शामिल होंगे जो रात को सोने से पहले कमरे की लाइट बुझाकर अपने स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते होंगे। अगर आप अभी तक ऐसा करते आएं हैं तो अब आपको संभल जाने की जरुरत है। बता दें कि लगातार ऐसा करने के चलते कई लोगों में अंधेपन के लक्षण देखें गए हैं और दो महिलाएं तो पूरी तरह आंखों की रौशनी गंवा बैठी हैं।

कौन हैं महिलाएं

न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक एक महिला की उम्र 22 साल जबकि दूसरी की 40 साल है।

अंधेरे में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने से शुरुआत में इनमें अंधेपन के लक्षण देखे गए। डॉक्टर्स के मना करने के बावजूद इन्होंने सावधानी नहीं बरती जिसके चलते अब ये पूरी तरह आंखों की रौशनी गंवा चुकीं हैं। इस बीमारी का नाम ट्रांजिएंट स्मार्टफोन ब्लाइंडनेस बताया जा रहा है।

एक आंख का न करें इस्तेमाल

रिपोर्ट के मुताबिक अंधेरे में फोन इस्तेमाल करते हुए आंख स्क्रीन की रोशनी के हिसाब से काम कर रही होती है लेकिन जैसे ही आप दूसरी आंख का इस्तेमाल करते हैं दोनों तारतम्य नहीं बैठा पाते और ब्लाइंडनेस का अनुभव होता है। इसलिए इससे बचना बेहद जरूरी है।

बाथरूम में न ले जाएं फोन

आजकल स्मार्टफोन का हर जगह हर समय इस्तेमाल करना लोगों की आदत हो गई है, लेकिन अगर आप भी अपना स्मार्टफोन बाथरूम में लेकर जाते है तो संभल जाएं क्योंकि इसका बाथरूम में इस्तेमाल खतरनाक हो सकता है। बाथरूम में फोन को लेकर जाने से उसके गिरने या स्क्रीन के डैमेज होने का खतरा ज्यादा रहता है क्योंकि गीले हाथों से स्मार्टफोन का प्रयोग करने से टचस्क्रीन खराब होती है। बाथरूम में स्मार्टफोन का बार-बार इस्तेमाल करने से सिम कार्ड में भी नमी आ सकती है। बाथरूम में नमी के कारण स्मार्टफोन के सर्किट्स पर असर पड़ सकता है क्योंकि भाप या पानी की एक बूंद भी इसके लिए खतरनाक साबित हो सकती है। बाथरूम में साबुन, पानी के साथ आप खुद को साफ कर लेते हैं लेकिन स्मार्टफोन को नहीं कर पाते नतीजतन 10 में से 9 फोंस में बीमारी फैलाने वाले कीटाणु रहते हैं। बाथरूम के बड़े शीशे के सामने बैठकर स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने से वाई-फाई सिग्नल ब्रेक होता है क्योंकि बड़े शीशे वाई-फाई सिग्नल को रिफ्लेक्ट करते है और उसके कारण सही सिग्नल आपके फोन तक नहीं पहुंच पाते। प्राप्त रिसर्च के अनुसार, यूके में प्रत्येक महीने 1.5 लाख स्मार्टफोन फ्लश में गिर जाते है। एक स्टडी के अनुसार बाथरूम में फोन का ज्यादा इस्तेमाल व्यक्ति को लंबे समय तक वही रहने की आदत डाल देता है।

क्या हैं लक्षण

शुरुआत में इन महिलाओं को कुछ वक्त के लिए दिखाई देना बंद हो जाता था। महिलाओं के कई टेस्ट किए गए लेकिन ऐसा क्यों हो रहा है इसका पता नहीं चल पाया। बाद में इन महिलाओं से जब पूछा गया कि ऐसा अक्सर कब होता है तो उन्होंने बताया कि रात में जब वे लेटकर स्मार्टफोन इस्तेमाल कर रहीं होती हैं तब ऐसा अक्सर होता है। तो अगर आपको भी टेम्परेरी ब्लाइंडनेस का अनुभव हो रहा है तो ये संभल जाने का वक्त है।

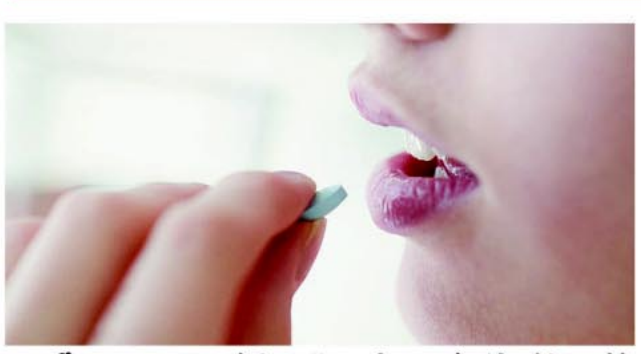

एंटीबायोटिक लेने से पहले ध्यान रखें ये बातें

सर्दी-जुकाम या बुखार में बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक्स लेने की आदत सेहत के लिए कई दिक्कतें पैदा कर सकती है। ब्रिटेन में हुए एक शोध के अनुसार बार-बार एंटीबायोटिक्स लेने से पेट में मौजूद खराब बैक्टीरिया के साथ अच्छे बैक्टीरिया भी मर जाते हैं। जिससे बैक्टीरियल सिस्टम बिगड़ जाता है। ऐसे में पैंक्रियाज की कार्य प्रणाली बिगड़ने के कारण टाइप-टू डायबिटीज का खतरा भी बढ़ जाता है।

बार-बार एंटीबायोटिक्स के इस्तेमाल से शरीर में इनके प्रति रेसिस्टेंस बढ़ने लगता है। जिस वजह से कुछ समय बाद मौसमी बीमारियों में ली जाने वाली एंटीबायोटिक्स दवाएं न के बराबर असर करती हैं। ऐसे में मरीज हाई डोज वाली एंटीबायोटिक्स का आदी होने लगता है जो गंभीर रोगों को जन्म देती हैं।

ये हैं साइड इफेक्ट्स

इन दवाओं के लिए नियमित डोज और कोर्स होता है। सही तरीके से एंटीबायोटिक्स न लेने पर साइड इफेक्ट हो सकता है। इसमें स्टेफन जॉनसन सिंड्रोम बेहद आम है। इस सिंड्रोम में मुंह में छाले और चेहरे व छाती पर दाने निकल आते हैं। यह जानलेवा भी हो सकता है।

वायरल में असरदार नहीं

एंटीबायोटिक्स वायरल फीवर में अधिकतर मरीज बिना किसी डॉक्टरी सलाह के एंटीबायोटिक्स ले लेते हैं। जो असर नहीं दिखाती है। एंटीबायोटिक्स से बैक्टीरिया मरते हैं जबकि वायरल फीवर वायरस के कारण होता है। ऐसे में एंटीबायोटिक्स खाने से शरीर को नुकसान होता है।

5-7 दिन में ठीक होता है वायरल

वायरल फीवर, सर्दी-जुखाम होने पर एक निश्चित समय के बाद ही ठीक होता है। इसमें 5-7 दिन लगते हैं। इसमें एंटीबायोटिक्स दवाएं नहीं लेनी चाहिए। केवल फीवर या सर्दी की दवा लें। निर्धारित समय में अपने से ठीक हो जाएगा। डायरिया-दस्त में या बाहर खाना खाने के बाद भी एंटीबायोटिक्स न खाएं। इसे लेने से पहले डॉक्टरी सलाह जरूर लें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)